Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
# संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 107
जयपुर, शनिवार, 21 सितम्बर 2024
पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी सुर्खियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

### मोदी बोले- कांग्रेस में देशभक्ति की आत्मा दम तोड़ चुकी

# इन्हें गणपति से भी चिढ़, मैंने गणेश पूजा की, तो कांग्रेस बेचैन हो गई

संजीवनी टुडे

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के अंदर देशभक्ति की आत्मा दम तोड़ चुकी है। वे विदेश से बैठकर एजेंडे चलाते हैं। इन्हें अब गणपति बप्पा से भी चिढ़ होने लगी है। मैंने गणेश पूजा की तो कांग्रेस बेचैन हो गई। मोदी ने यह बातें महाराष्ट्र के वर्धा में एक रैली को संबोधित की। वे यहां पीएम विश्वकर्मा योजना के एक साल पूरे होने पर कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए थे। पीएम ने कहा- पुरानी सरकारों में कामगारों के हुनर को सम्मान नहीं मिलता था। कांग्रेस और उनके दोस्तों ने एससी/एसटी को दबाकर रखा। उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। हमारी सरकार ने स्किल मंत्रालय बनाया। पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की। एक साल में इस योजना के तहत 8 लाख लोगों को स्किल ट्रेनिंग दी गई है। गणपति उत्सव पर पीएम मोदी ने कहा- जिस पार्टी में हमारी आस्था और संस्कृति का जरा सा भी सम्मान होगा, वो पार्टी कभी गणपति पूजा का विरोध नहीं कर सकती। लेकिन आज की कांग्रेस को गणपति पूजा से भी नफरत है। मैं गणेश पूजन कार्यक्रम में चला गया, तो कांग्रेस का तुष्टिकरण का भूत जाग उठा। कांग्रेस गणपति पूजा का विरोध करने लगी। दरअसल पीएम मोदी सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के घर गणपति पूजन करने गए थे। जिसका विपक्ष ने विरोध किया था।

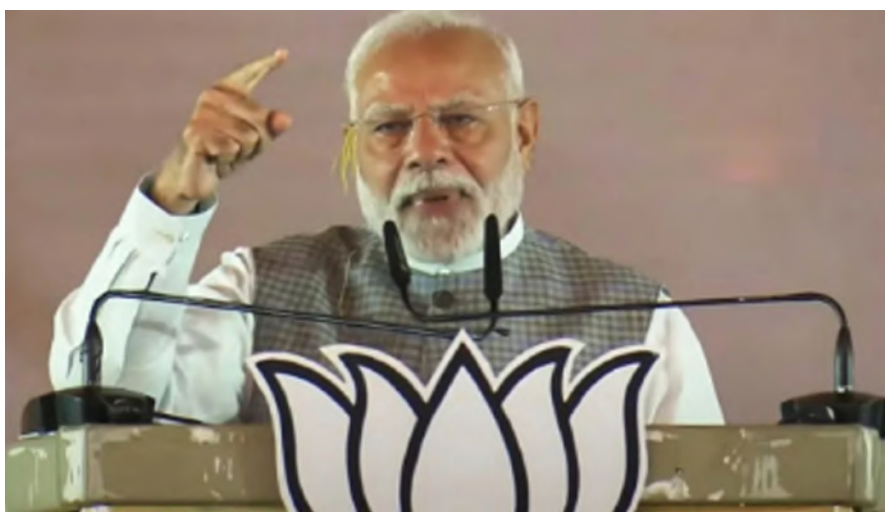

### महाराष्ट्र में दशकों तक कांग्रेस ने कुठाराघात किया

किसानों को लेकर पीएम ने कहा- महाराष्ट्र में दशकों तक कांग्रेस और बाद में महा विकास अघाड़ी सरकार ने कपास को महाराष्ट्र के किसानों की ताकत बनाने के बजाय उन्हें बदहाली में धकेला, किसानों के नाम पर राजनीति की और भ्रष्टाचार में लिप्त रहे। 2014 में जब देवेंद्र फडणवीस की सरकार बनी तो अमरावती में टेक्सटाइल पार्क का काम शुरू हुआ। दलितों-पिछड़ों पर कांग्रेस और उसके मित्रों ने जानबूझकर एससी, एसटी और ओबीसी के लोगों को आगे नहीं बढ़ने दिया। हमने सरकारी व्यवस्था से कांग्रेस की इस दलित-विरोधी और पिछड़ा-विरोधी सोच को खत्म कर दिया है। पिछले एक साल के आंकड़े बताते हैं कि एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय विश्वकर्मा योजना का लाभ उठा रहे हैं। पाकिस्तान के बयान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ये वो कांग्रेस हैं जिसे टुकड़े-टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सल के लोग चला रहे हैं। आज देश की सबसे बेईमान और भ्रष्ट पार्टी कांग्रेस है।

### पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत मोदी ने कामगारों को एक लाख रुपए का लोन भी बांटा

पीएम मोदी ने विश्वकर्मा योजना के एक लाख लाभार्थियों को ऑनलाइन स्किल प्रमाण पत्र बांटे। 75 हजार लाभार्थियों को लोन बांटे। पीएम ने आचार्य चाणक्य कौशल विकास केंद्र योजना का भी शुभारंभ किया। इसके जरिए 15 से 45 साल के युवाओं को ट्रेनिंग दी जाएगी। राज्य में करीब डेढ़ लाख युवाओं को हर साल मुफ्त कौशल विकास प्रशिक्षण मिलेगा। महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। देश का सबसे भ्रष्ट परिवार कांग्रेस का शाही परिवार है। ये लोग विदेशी धरती से एजेंडे चलाते हैं। दरअसल पीएम मोदी ने हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बयान का जिक्र किया। जिसमें उन्होंने कहा था कि आर्टिकल 370 की बहाली पर पाकिस्तान और कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस गठबंधन की राय एक है। 17 सितंबर 2023 को मोदी ने ध्व्र विश्वकर्मा योजना लॉन्च की थी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2023 को स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से अपने भाषण में विश्वकर्मा योजना की घोषणा की थी। एक महीने बाद 17 सितंबर को योजना लॉन्च की गई। सरकार छोटे कामगारों, कौशल वाले लोगों की आर्थिक मदद पहुंचाने के लिए यह योजना लेकर आई।

### लालू यादव के खिलाफ सीबीआई केस की मंजूरी

# लैंड फॉर जॉब मामले में केन्द्र सरकार ने मुकदमा चलाने की इजाजत दी

संजीवनी टुडे

पटना। केन्द्र सरकार ने एउक्को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। एउक्ने यह जानकारी राउज एवेन्यू कोर्ट को दी है। इससे पहले 18 सितंबर को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने जमीन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों को समन जारी किया था। पहली बार कोर्ट ने इस मामले में लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप, अखिलेश्वर सिंह और उनकी पत्नी किरण देवी को भी समन भेजा है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि 'तेजप्रताप यादव की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता। वह एके इंफोसिस लिमिटेड के निदेशक भी थे।' प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 6 अगस्त को 11 आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। इनमें से 4 की मौत हो चुकी है। इसमें लल्लन चौधरी, हजारी राय, धर्मेंद्र कुमार, अखिलेश्वर सिंह, रविंदर कुमार, स्व. लाल बाबू राय, सोनमतिया देवी, स्व. किशुन देव राय और संजय राय शामिल हैं। लल्लन चौधरी की पत्नी ने पति की मृत्यु से जुड़ी पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी कोर्ट में प्रस्तुत की है। कोर्ट ने मृत्यु प्रमाण पत्र दाखिल करने का

आदेश दिया था। इस मामले में अब 7 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। सभी को कोर्ट में पेश होना होगा। जिस किरण देवी को कोर्ट ने समन जारी किया है वो पटना की रहने वाली हैं। किरण देवी ने नवंबर 2007 में सिर्फ 3.70 लाख रुपए में अपनी 80,905 वर्ग फीट जमीन लालू यादव की बेटी मीसा भारती को बेच दी थी। इसके बाद 2008 में सेंट्रल रेलवे मुंबई में किरण देवी के बेटे अभिषेक कुमार को नौकरी मिल गई। लैंड फॉर जॉब मामले में राजद प्रमुख लालू यादव के करीबी सहयोगी अमित कात्याल को दिल्ली हाईकोर्ट ने नियमित जमानत मिल चुकी है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने कहा कि 'आरोपी लगातार जांच में शामिल हो रहा है और किसी भी स्तर पर पूछताछ के लिए जारी समन से बचने की कोशिश नहीं की है।

### थाने में आर्मी ऑफिसर से मारपीट, मंगेतर का यौन उत्पीड़न

# पीड़ित बोली- मेरे हाथ-पैर बांधे, कपड़े उतारे, भुवनेश्वर के 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

संजीवनी टुडे

भुवनेश्वर। ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित भरतपुर पुलिस स्टेशन में एक आर्मी ऑफिसर से मारपीट और उनकी मंगेतर से यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला आर्मी ऑफिसर के साथ रोड रेज की शिकायत दर्ज करवाने पुलिस थाने गई थी। थाने में पुलिसकर्मियों ने उनसे पहले बदसलूकी की, फिर आर्मी ऑफिसर को लॉकअप में बंद कर दिया। पीड़ित ने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की और हाथ-पैर बांध दिए। पीड़ित के मुताबिक, एक पुरुष अधिकारी ने उनके अंडरगार्मेंट उतारे। फिर छाती पर लातें मारीं। थाने में जब इंस्पेक्टर-इन-चार्ज पहुंचा तो उसने पीड़ित की पैंट नीचे कर अपना प्राइवेट पार्ट दिखाया और अश्लील बातें कीं। घटना 15 सितंबर की है। पुलिस ने पीड़ित को बदतमीजी के आरोप में गिरफ्तार किया था। 19 सितंबर को हाईकोर्ट से जमानत के बाद उनका भुवनेश्वर एम्स में इलाज कराया गया, जिसके बाद उन्होंने ये खुलासा किया। पीड़ित के आरोपों के बाद डीजी वाईबी खुरानिया के निर्देश पर गुरुवार को चांदका थाने में शिकायत दर्ज की गई। उन्होंने क्राइम ब्रांच को जांच के आदेश दिए, जिसके बाद भरतपुर के इस्पेक्टर इंचार्ज समेत 5 पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड किया गया। उन्होंने आर्मी ऑफिसर को

लॉकअप में बंद कर दिया। जब मैंने कहा कि वे आर्मी ऑफिसर को हिरासत में नहीं रख सकते, यह गैरकानूनी है, तो दो महिला पुलिसकर्मियों ने मेरे बाल पकड़ लिए जोर-जोर से मारने लगीं। एक महिला पुलिसकर्मी ने मेरी गर्दन पकड़ने की कोशिश की तो मैंने उसके हाथ पर काट लिया। इसके बाद उन्होंने मेरी जैकेट से मेरे हाथ बांध दिए। एक लेडी कॉन्स्टेबल के स्कार्फ से मेरे पैर बांध दिए। थोड़ी देर बाद एक मेल ऑफिसर आया। उसने मेरे अंडरगार्मेंट उतार दिए और छाती पर लातें मारने लगा। सुबह करीब 6 बजे इंस्पेक्टर-इन-चार्ज आया। उसने मेरी पैंट नीचे कर दी। फिर अपनी पैंट नीचे की और प्राइवेट पार्ट दिखाकर अश्लील बातें की। मैं इस दौरान मदद के लिए जोर-जोर से चिल्ला रही थी।

### पीड़ित के पुलिसकर्मियों पर 5 गंभीर आरोप

15 सितंबर को रात 1 बजे मैं अपना रेस्टोरेंट बंद करके आर्मी ऑफिसर के साथ घर लौट रही थी। रास्ते में कुछ युवकों ने उनका रास्ता रोकने की कोशिश की और छेड़छाड़ करने लगे। पुलिस से शिकायत करने और मदद मांगने के लिए वे भरतपुर थाने पहुंचे। भरतपुर थाने में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की तो वहां सिविल ड्रेस में मौजूद एक महिला पुलिसकर्मी उनसे गाली-गलौज करने लगी। थोड़ी देर एक पेट्रोलिंग गाड़ी से कुछ और पुलिसकर्मी थाने पहुंचे।

### टीडीपी का दावा-तिरुपति लड्डू में एनिमल फैट, फिश ऑयल था

# केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आंध्र सरकार से रिपोर्ट मांगी, मंदिर ने जांच कमेटी बनाई

संजीवनी टुडे

अमरावती। तिरुपति मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी और मछली का तेल मिलने का विवाद दिल्ली तक पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आंध्र प्रदेश सरकार से रिपोर्ट मांगी है। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को कहा, मैंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से बात की है। मंदिर के प्रसाद (लड्डू) की जांच कराई जाएगी। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राज्य के एख्र नायडू की पार्टी टीडीपी ने बुधवार को यह आरोप लगाया कि राज्य में वाईएसआर कांग्रेस की सरकार के कार्यकाल में तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डू (प्रसादम) में जानवरों की चर्बी वाला घी और फिश ऑयल मिलाया गया था। इसके अगले दिन टीडीपी ने एक लैब रिपोर्ट दिखाकर अपने आरोपों की पुष्टि का दावा किया। इसके खिलाफ वाईएसआर कांग्रेस ने हाईकोर्ट से नायडू के आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी बनाने की मांग की। कोर्ट इस पर 25 सितंबर को सुनवाई करेगा। तिरुपति मंदिर के 300 साल पुराने किचन में रोजाना 3.50 लाख लड्डू बनते हैं। तिरुमाला ट्रस्ट हर साल प्रसादम से सालाना 500 करोड़ रुपए कमाता है।

### मंदिर ट्रस्ट ने प्रसाद की जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी बनाई

जगन मोहन सरकार ने तिरुमाला की पवित्रता को धूमिल किया 18 सितंबर को आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि पिछले 5 साल में जगन मोहन सरकार और वाईएसआरसीपी के नेताओं ने तिरुमाला की पवित्रता को धूमिल किया। मंदिर प्रशासन ने चार सदस्यों की विशेष समिति बनाई तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने मंदिर प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। हालांकि, घी की गुणवत्ता की निगरानी के लिए चार सदस्यीय विशेष समिति बना दी है। लैब रिपोर्ट 17 जुलाई को मिली थी। तभी से ही यह रिपोर्ट पब्लिक डोमेन में है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट में ना तो जारी करने वाली संस्था का नाम लिखा है और ना ही किस जगह के सैंपल की जांच की गई है, उसका जिक्र है। सुप्रीम कोर्ट के वकील विनीत जिंदल ने इस मामले में जगन मोहन रेड्डी, ठेकेदार और टीटीडी के अफसरों के खिलाफ शिकायत की है। इसमें कहा कि इन्होंने प्रसादम में जानवरों की चर्बी वाला घी मिलाकर लोगों की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और सख्त कार्रवाई हो। उधर केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

# जयपुर की पहाड़ियों में 20 दिन से युवक लापता

संजीवनी टुडे

### हाईकोर्ट ने कहा- किसी भी तरह से तलाश करें, पुलिस बोली- बेस्ट एफर्ट कर रहे

जयपुर। जयपुर के नाहरगढ़ में चरण मंदिर घूमने गए दो भाइयों में से एक राहुल पाराशर (21) का 20 दिन बाद भी कुछ पता नहीं चला है। इस मामले में राजस्थान हाईकोर्ट में शुक्रवार को पुलिस ने अपनी प्रोग्रेस (प्रगति) रिपोर्ट पेश की। पुलिस ने अपने जवाब में कहा- हम राहुल का खोजने में बेस्ट एफर्ट (पूरी कोशिश) कर रहे हैं। हर तरीके से हमने सर्च अभियान चला रखा है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की अदालत ने प्रोग्रेस रिपोर्ट और जवाब के बाद कहा- हम पुलिस के प्रयासों से संतुष्ट हैं। कोर्ट ने कहा- युवक को किसी भी तरह से तलाश करें। कोर्ट ने पुलिस को राहुल को ढूंढने के लिए दो सप्ताह का समय और दिया है। राहुल के पिता की ओर से वकील गिरिराज प्रसाद शर्मा ने कहा- हमें शक है कि राहुल के छोटे भाई आशीष की तरह ही उसकी हत्या कर दी गई है या उसे किसी ने कैद कर रखा है। पुलिस को इस दिशा में भी जांच करनी चाहिए। उन्होंने कॉल डिटेल के आधार पर भी जांच करने का सुझाव दिया। सुनवाई के दौरान डीसीपी नॉर्थ राशि डोगरा और एडिशनल डीसीपी नॉर्थ बजरंग सिंह अदालत में मौजूद रहे। दरअसल, शास्त्रीनगर थाना इलाके की परबतिया कॉलोनी निवासी राहुल पाराशर (21) और उसका भाई आशीष (19) एक सितंबर को सुबह 6 बजे नाहरगढ़ की पहाड़ी पर चरण मंदिर जाने की कह कर निकले थे। इसके 5 घंटे बाद सुबह 11 बजे पिता के फोन पर आशीष ने कॉल कर बताया था कि चरण मंदिर से लौटते वक्त वे रास्ता भटक गए हैं। दोपहर 1 बजे तक उनके मोबाइल फोन पर रिंग जाती रही, लेकिन फोन उठाया नहीं गया। इसके बाद मोबाइल बंद हो गया था। तब परिजन शास्त्री नगर थाने पहुंचे। परिजन की शिकायत पर पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया तो अगले दिन (2 सितंबर को) नाहरगढ़ की पहाड़ियों में आशीष का शव मिला था। लेकिन, पुलिस इस मामले में अब तक राहुल का पता नहीं लगा पाई है।

### प्रियंका बोलीं- पीएम को बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए

# नड्डा की बजाय खुद लेटर लिखते, शिष्टाचार से बढ़कर कुछ नहीं होता हैं: प्रियंका गांधी

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। जेपी नड्डा के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजे गए लेटर की प्रियंका गांधी ने आलोचना की। प्रियंका ने कहा- प्रधानमंत्री की अगर बुजुर्गों का सम्मान करने में आस्था होती तो वे खुद लेटर का जवाब देते। पीएम मोदी ने जेपी नड्डा से लेटर भिजवाकर उनका अपमान किया। आखिर 82 साल के एक सीनियर लीडर को नीचा दिखाने की क्या जरूरत थी। यह लेटर विवाद 17 सितंबर को शुरु हुआ था। जब खड़गे ने पीएम मोदी को लेटर लिखकर कहा था कि भाजपा और सहयोगी दलों के नेता लगातार राहुल गांधी के लिए बेहद आपत्तिजनक और हिंसक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। आपसे आग्रह है कि ऐसे नेताओं पर लगाम लगाएं। एक दिन बाद जेपी नड्डा ने भी लेटर लिखकर जवाब दिया। उस राहुल गांधी को सही ठहराने की कोशिश आप किस मजबूरी के चलते कर रहे हैं नड्डा का खड़गे को जवाब, कहा- राहुल की करतूतें न भूलें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 18 सितंबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम ओपन लेटर लिखा।

### खड़गे ने पीएम मोदी को लिखा था

अपने नेताओं को रोकें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिन पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें बधाई देने के बाद एक चिट्ठी भी लिखी थी। इसमें राहुल गांधी के खिलाफ हेट स्पीच पर चिंता जताई थी। खड़गे ने लिखा था- 'भाजपा और सहयोगी दलों के नेता लगातार राहुल गांधी के लिए बेहद आपत्तिजनक और हिंसक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। आपसे आग्रह है कि ऐसे नेताओं पर लगाम लगाएं। दिल्ली में राहुल गांधी के घर के बाहर 11 सितंबर को भाजपा ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान भाजपा नेता तरविंदर सिंह मारवाह पर राहुल को मारने की धमकी देने का आरोप लगा। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,

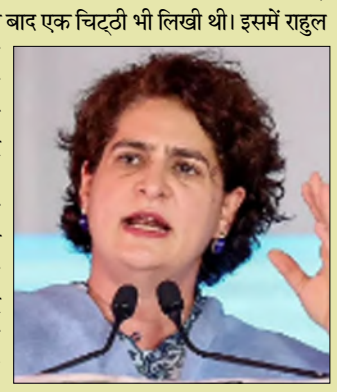

भाजपा नेता खुलेआम देश के नेता प्रतिपक्ष को हत्या की धमकी दे रहा है। ये बेहद गंभीर मामला है। ये भाजपा की नफरत की फैक्ट्री का प्रोडक्ट है। इस पर कार्रवाई होनी चाहिए। पीएम मोदी अपनी पार्टी के इस नेता की धमकी पर चुप नहीं रह सकते। उन्होंने लिखा- जिस व्यक्ति का इतिहास ही देश के प्रधानमंत्री समेत पूरे ओबीसी समुदाय को चोर कहकर गाली देने का रहा हो। नड्डा ने लिखा कि आप राहुल गांधी समेत अपने नेताओं की करतूतों को भूल गए हैं या फिर उन्हें जानबूझ कर नजरअंदाज किया। नड्डा ने लेटर में यह भी लिखा कि कांग्रेस के नेताओं ने पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री मोदी को 110 से ज्यादा गालियां दी हैं। तब राजनीतिक शुचिता, मर्यादा, अनुशासन, शिष्टाचार जैसे शब्द आपकी डिक्शनरी से क्यों गायब हो जाते हैं।

### चुनाव के बीच अचानक हरियाणा पहुंचे राहुल गांधी

# अमेरिका में घायल हुए युवक के परिजन से मिले, वीडियो कॉल पर बात भी कराई

संजीवनी टुडे

करनाल। हरियाणा विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच राहुल गांधी शुक्रवार सुबह करनाल पहुंचे। यहां उन्होंने एक युवक के परिवार से मुलाकात की, जिससे वे अमेरिका दौरे के समय मिले थे। राहुल ने युवक के घर पहुंचकर उसे वीडियो कॉल भी किया। राहुल शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे करनाल के घोघड़ीपुर गांव पहुंचे थे। राहुल के दौरे के बारे में न तो स्थानीय कांग्रेस नेताओं को सूचना थी न पुलिस प्रशासन को। राहुल गांधी अमेरिका दौरे के समय हरियाणा के रहने वाले युवक अमित कुमार से मिले थे। वह ट्रक ड्राइवर है। उसका अमेरिका में हाल ही में एक्सीडेंट हो गया था। राहुल से मुलाकात में अमित ने बताया था कि गांव के युवा विदेश जा रहे है, क्योंकि वहां रोजगार नहीं है। राहुल ने अमित से वादा किया था कि भारत में वे उसके घरवालों से जरूर मिलेंगे। उन्होंने वीडियो कॉल पर परिवार से बात कराने की बात भी कही थी। राहुल गांव में अमित की मां बीरमती से मिले। बीरमती ने कहा, 'सुबह 5 बजे पहले राहुल के बॉडीगार्ड आए। उन्होंने हमें सोते से उठाया था। इसके बाद करीब 6 बजे राहुल गांधी पहुंचे थे। वे करीब डेढ़ घंटा यहां रुके। उन्होंने परिवार का हाल पूछा और वीडियो कॉल पर अमेरिका में अपने ही मोबाइल से अमित से भी बात की। बड़ी बात यह है कि देश के राजा गरीब की कुटिया में आए। वे हमारे घर से देसी घी और चूरमा पैक कराकर ले गए। उन्होंने कहा कि उन्हें अमित ने राहुल के अमेरिका में मिलने के बारे में बताया था। उसने फोटो भी भेजी थी। बीरमती कहती हैं, 'अमित करीब डेढ़ साल पहले अमेरिका गया था। वह अविवाहित है। कुछ दिन पहले उसका एक्सीडेंट होने के बाद चिंता बढ़ गई थी। उसके बड़े भाई का नाम अजीत है। उसके 2 बच्चे हैं। अमित के पिता की करीब 7 साल पहले मौत हो चुकी है।'

### केंद्र सरकार फैक्ट चेक यूनिट नहीं बना सकेगी

# बॉम्बे हाईकोर्ट ने रोक लगाई, कहा- आईटी एक्ट में संशोधन लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन

संजीवनी टुडे

मुंबई। केंद्र सरकार फैक्ट चेक यूनिट नहीं बना सकेगी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को आईटी एक्ट में किए गए संशोधन को असंवैधानिक बताते हुए इसे रद्द करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि आईटी एक्ट में संशोधन जनता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। दरअसल, केंद्र सरकार ने 2023 में आईटी नियमों में संशोधन किया था। सरकार इसके जरिए सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफार्म पर झूठी या फर्जी खबरों की पहचान करने के लिए फैक्ट चेक यूनिट बना सकती थी। बॉम्बे हाईकोर्ट के टाईब्रेकर जज ने सुनाया फैसला जनवरी 2024 में बेंच में शामिल दो जजों जस्टिस गौतम पटेल और जस्टिस नीला न्यायमूर्ति ने अलग-अलग फैसला दिया था। इसके बाद यह केस टाईब्रेकर जज जस्टिस एएस चंदुरकर के पास भेजा गया था। जस्टिस चंदुरकर ने कहा, 'मेरा मानना है कि ये संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 19 का उल्लंघन करता है।' जब दो जजों के फैसले पर अलग-अलग मत होते हैं तब इसे टाईब्रेकर जज के पास भेजा जाता है। मैंने मामले पर विस्तार से विचार किया है।

### पटेल ने नियमों को खारिज कर दिया

विवादित नियम भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), 19 (भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) और 19(1)(जी) (व्यवसाय की स्वतंत्रता और अधिकार) का उल्लंघन करते हैं। जस्टिस पटेल और जस्टिस गोखले ने क्या कहा था मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस गौतम पटेल ने नियमों को खारिज कर दिया था। वहीं, जस्टिस गोखले ने नियमों को बरकरार रखा था।जस्टिस पटेल ने कहा था कि नियम सेंसरशिप के समान हैं, लेकिन

जस्टिस गोखले ने कहा था कि इनका तर्क के मुताबिक फ्री स्पीच पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा। कॉमेडियन कुणाल कामरा और एडिटर्स गिल्ड ने लगाई याचिका ऋद्ध नियमों में संशोधन के खिलाफ कॉमेडियन कुणाल कामरा, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल एसोसिएशन और एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैगजीन ने सबसे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें तीन रूल को चुनौती दी गई थी। ये रूल केंद्र सरकार को झूठी ऑनलाइन खबरों की पहचान करने के लिए एफसीयू बनाने का अधिकार देते हैं। एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने ये भी कहा था कि फ़ेक न्यूज तय करने की शक्तियां पूरी तरह से सरकार के हाथ में होना प्रेस की आजादी के विरोध में है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि ये संशोधन सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं।

## खबरें फटाफट

### दशहरा महोत्सव समिति की बैठक में सर्वसम्मति से मुकेश जैमन बने अध्यक्ष

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। गुरुवार को दशहरा महोत्सव समिति राजगढ़ की बैठक का आयोजन राजेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में श्री मुरली मनोहर जी मंदिर में किया गया। जिसमें सर्वसमिति से मुकेश कुमार जैमन को अध्यक्ष चुना गया एवं संरक्षक के रूप में राजेश शर्मा ठेकेदार व कोषाध्यक्ष बालकिशन झालानी को चुना गया । शेष कार्यकारिणी का गठन अध्यक्ष मुकेश जैमन द्वारा शीघ्र किया जावेगा। इस वर्ष दशहरा महोत्सव 12 अक्टूबर 2024 शनिवार को बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। दशहरा महोत्सव समिति की तैयारी के लिए 21 सितंबर दोपहर को मुरली मनोहर मंदिर में नई कार्यकारिणी की मीटिंग आयोजित की जाएगी। जिसमें दशहरा महोत्सव की तैयारीयों पर चर्चा की जाएगी। दशहरा महोत्सव समिति के अध्यक्ष मुकेश जैमन ने कहा कि मेरे सामर्थ के अनुसार एवं जनसहयोग से इस वर्ष दशहरा हर वर्ष की भांति मनाया जाएगा।

### लायंस क्लब की ओर से रविवार को आयोजित होगा रक्तदान शिविर

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)।लॉयन्स क्लब राजगढ़ की ओर से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर 22 सितम्बर को कस्बे के गोविन्द देवजी बाजार स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में आयोजित होगा। शिविर संयोजक वीरेन्द्र दाधीच ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्घाटन महन्त प्रकाश दास महाराज ठिकाना गंगा बाग द्वारा विधिवत फीता काट कर किया जायेगा। शिविर प्रात 9 से अपराह्न 3 बजे तक रहेगा। इस दौरान रक्तदाता रक्त दान करेगें । क्लब सचिव एडवोकेट भूपेन्द्र शर्मा ने बताया कि शिविर में संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल ब्लड बैंक जयपुर की टीम का विशेष योगदान रहेगा।

### राजकीय महाविद्यालय में नियमित कक्षाएं हुई प्रारंभ

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के राजकीय महाविद्यालय में स्नातक द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा समाप्ति पश्चात नियमित कक्षाएं प्रारंभ हो गई हैं। प्राचार्य डॉ के एल मीना ने बताया कि सभी नियमित विद्यार्थी अनिवार्य रूप से अपनी कक्षाओं में उपस्थित होंगे 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति दर्ज होने पर विद्यार्थियों को स्वयंपाठी घोषित करते हुए छात्रवृत्ति व अन्य लाभों से भी वंचित किया जाएगा सभी विद्यार्थियों के परिचय पत्र बन गए हैं विद्यार्थी 28 सितंबर तक परिचय पत्र प्राप्त कर लें। परिचय पत्र लेने के लिए अपना आधार कार्ड एवं फीस की रसीद साथ लेकर आवे। द्वितीय सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षाएं 23 नवंबर से प्रारंभ होगी। प्रायोगिक सूची नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई है प्रायोगिक परीक्षा से संबंधित विद्यार्थी अपने-अपने विभागों से संपर्क करें। स्नातकोत्तर प्रीवियस में प्रवेश प्रक्रिया चल रही हैं जिनकी अंतिम तिथि 25 सितंबर हैं प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी निर्धारित तिथि तक ई मित्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

### रा.उ.मा.वि. आवड़ा की छात्रा पूजा का हुआ नेशनल स्तर पर चयन

संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। उपखंड क्षेत्र के छोटे से गांव आवडा निवासी पूजा गियाड़ पुत्री हरिराम गियाड ने 68वीं राज्य स्तरीय टेबल टेनिस खेल प्रतियोगिया में सुपर-8 में जगह बनाकर टोंक जिले का नाम रोशन किया। शारिरिक शिक्षक नयन भारद्वाज ने बताया की पूजा सुपर-8 में अपना स्थान बनाकर राज्य स्तरीय कैंप में अपनी जगह बनाने वाली टोंक जिले की प्रथम छात्रा है। पूजा के कठिन परिश्रम के परिणामस्वरूप ही सम्पूर्ण टोंक जिले में खुशी की लहर है। आने वाले समय में पूजा गियाड़ राजस्थान की टीम का नेतृत्व करती हुई दिखाई देगी।

### बाइक व चौपहिया वाहन की आमने-सामने की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के बांदीकुई-राजगढ़ मार्ग पर औधोगिक क्षेत्र में स्थित रेलवे पुलिया पर चौपहिया वाहन व बुलेट बाइक में आमने-सामने की टक्कर हो गयी जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर राजगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गयी। हादसे में अलवर के भोली मोहल्ला निवासी बाइक सवार निशांत(25) पुत्र बद्री प्रसाद सैनी की मौके पर ही मौत हो गयी। वही घायल दीपक पुत्र रामफूल सैनी को राजगढ़ चिकित्सालय पहुंचाया। जहां घायल दीपक को प्राथमिक उपचार के बाद अलवर रैफर कर दिया। पुलिस ने बताया कि सूचना मिली कि औद्योगिक क्षेत्र स्थित रेलवे पुलिया पर कार व बाइक में आमने-सामने भिड़ंत हो गयी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। जहां घायल को राजगढ़ सीएचसी पहुंचाया व मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। उन्होंने बताया कि बाइक सवार राजगढ़ से बसवा की तरफ व चौपहिया वाहन बांदीकुई की ओर से आ रहा था।

# आत्मकल्याण के लिए दीक्षा ही सर्वस्व मार्ग: मुनि शुभम सागर जी महाराज

संजीवनी टुडे

टोडारायसिंह (केकडी)। जैन समाज और चतुर्मास कमेटी अध्यक्ष संत कुमार जैन और प्रवक्ता मुकुल जैन ने बताया कि शुक्रवार को दिक्षार्थी भैंरू लाल कासलीवाल निवासी भीलवाडा, रतन लाल सोनी निवासी बिजौलिया, पन्नालाल निवासी मोजमाबाद टोडारायसिंह मुनि संघ के दर्शन को पधारे, जिनकी दीक्षा आगामी 13 अक्टूबर को किशनगढ़ में आचार्य सुनिल सागर जी महाराज द्वारा दी जावेगी। जैन भवन शुक्रवार का दिन एक और इतिहास का साक्षी बन गया। मुनि शुभम सागर जी और मुनि सक्षम सागर जी ने जहां तीन दीक्षार्थियों को दीक्षा पूर्व निकाली गई बिंदोरि पर संबोधन किया। वहीं समारोह के पहले दिक्षार्थीयों की बिंदोरी आदिनाथ मन्दिर से छोल भरकर निकाली गई, जो नगर के सभी मंदिरों के दर्शन कर जैन भवन में पहुँची। रास्ते में जगह जगह दिक्षार्थीयो की छोल भरी गई। फिर जैन भवन में मुनि संघ के प्रवचन हुए।

मुनि शुभम सागर जी ने प्रवचन देते हुए कहा कि हमारी आत्मा अनादिकाल से परिभ्रमण कर

रही है। कुछ आत्माओं के भीतर ऐसा भाव उत्पन्न होता है कि परिभ्रमण का अंत करना है। ऐसी आत्मा भव्य होती है। किसी भी आत्मा को भव्य बनाना हमारे हाथ में नहीं होता। वह तो नियति होती है। भगवान महावीर भी किसी आत्मा को भव्य नहीं बना सकते। आत्मा अभव्य है तो है, कैसे भी कर्म उसको भव्य नहीं बना सकते। भव्य आत्मा ही वीतराग के पथ पर चल सकती है। जैन शासन की दीक्षा के बारे उन्होंने कहा कि दीक्षा तो व्रतों का संग्रहण है। दीक्षार्थियों के भाग्य की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें संयम के पथ पर अग्रसर होने का तथा एक गुरु के अनुशासन में रहने का अवसर मिला है। आचार्यों की आज्ञा को कोई चुनौती नहीं दे सकता। जैन धर्म में दीक्षित होने वालों के मन में यह संकल्प रहे कि गुरु आज्ञा लक्ष्मण रेखा है, स्वप्न में भी इस रेखा को पार नहीं करना है। मृत्यु को कोई भी रोक नहीं सकता।

उन्होंने कहा कि दीक्षा लेने वाला ही त्रिलोकीनाथ कहलाता है, क्योंकि इन्होंने त्याग और संयम का रास्ता अपनाया है। दीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए मुनि श्री ने कहा कि ये दीक्षार्थी अपने नाथ बनने जा रहे हैं। माता-पिता के साये को छोड़कर गुरु के पास आए हैं, सब मोह-लोभ त्याग दिया है। आप अकूत धन कमा सकते हैं लेकिन जो साधु प्राप्त करता है वह आपके पास नहीं हो सकता। कार्यक्रम का संचालन पंडित संजीव कासलीवाल द्वारा किया गया।

# योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

संजीवनी टुडे

धनाऊ। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कुम्भाणियों का तला (श्रीरामवाला) धनाऊ में स्वस्थ भारत अभियान के तहत योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योगाचार्य हनुमानराम डऊकिया ने बताया कि नियमित योग से बालक का सर्वांगीण विकास होता है। योग अनुशासित जीवन जीना सिखाता है। असाध्य रोगों को भी दूर भगाने में सहायक है।बालपयोगी आसन, प्राणायाम, सूक्ष्म व्यायाम, सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया गया। अंत में आत्म बल की मजबूती एवं तनाव मुक्ति के लिए सिंहासन और हास्यासन करवाए गए। शारीरिक शिक्षिका पप्पी कुमारी चौधरी ने योगिक क्रियाओं को दैनिक जीवन में अपनाने की सीख दी प्रधानाध्यापक बाबूलाल चौधरी ने धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संदीप कुमार, रूपेंद्र सिंह, गुमना राम भांभू, सोनू चौधरी, वार्डपंच हरलाल, रूखमणा राम, चूना राम, रूपा राम कड़वासरा, हरदान राम, कालूराम, टिकमाराम, जोगा राम, गुमन गोदारा आदि उपस्थित रहे।

# घरेलू गैस का व्यावसायिक दुरूपयोग करने पर 24 घरेलू गैस सिलेंडर्स जप्त

संजीवनी टुडे

अलवर। घरेलू गैस के व्यावसायिक कार्य में दुरूपयोग को रोकने हेतु रसद विभाग की टीम द्वारा शुक्रवार को शहर के 12 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई कर 24 घरेलू गैस सिलेंडर्स जप्त किए। जिला रसद अधिकारी मानसिंह मीणा ने बताया कि अलवर शहर में रेल्वे स्टेशन के पास निक्की एग सेंटर से 2, चौधरी पवित्र भोजनालय से 4, सुन्दर चार्ट कॉर्नर से 2, सैनी पवित्र भोजनालय से 2, खण्डेलवाल पवित्र भोजनालय से एक व शालू चार्ट भण्डार से एक, कालीमोरी फाटक के पास सैनी मिष्ठान भण्डार से 2, इंदिरा कॉलोनी स्थित एस.के मिष्ठान भण्डार से एक, कटीघाटी के पास श्याम मिष्ठान भण्डार से 4, सेठ सांवरिया मिष्ठान से 2, भवानी तोप के पास हजारी लाल चार्ट भण्डार से 3 एवं दिल्ली के मशहूर छोले भटूरे से एक घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

लेकर मैसर्स गोविन्द गैस तथा मैसर्स मॉडल गैस को सुपुर्द किए गए। उन्होंने बताया कि घरेलू गैस के व्यावसायिक कार्य में दुरूपयोग को रोकने हेतु आगामी दिवसों में कार्रवाई जारी रहेगी। इस दौरान प्रवर्तन अधिकारी रणवीर सिंह, विनोद जुनेजा, कृष्ण कुमार बायला, अशोक कुमार शर्मा मौजूद रहे।

# जिला कलक्टर ने जांची मिड डे मील की गुणवता, बच्चों का उत्साहवर्धन

संजीवनी टुडे

### जिला कलक्टर ने पूछा कैसा मिल रहा है मिड डे मील

बाड़मेर। जिला कलक्टर टीना डाबी ने शुक्रवार को बाड़मेर जिला मुख्यालय पर महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय संख्या एक का निरीक्षण कर मिड डे मील का फीड बैक लिया। इस दौरान उन्होंने मिड डे मील की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों से पुस्तक पढ़वाकर उनके शैक्षणिक स्तर की जांच की। जिला कलक्टर टीना डाबी ने शुक्रवार प्रातः महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय संख्या-1 का निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों , उपलब्ध संसाधनों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने मिड डे मील के लिए संचालित रसोई तथा भोजन तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में जाना। जिला कलक्टर ने मिड डे मील भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता का ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों से पूछा कि मिड डे मील कैसा मिल रहा है। इस पर बच्चों ने जबाव दिया बहुत अच्छा। जिला कलक्टर ने बच्चों के साथ नीचे बैठकर मिड डे मील की गुणवत्ता जांची। उन्होंने बच्चों से किताबें पढ़वाते हुए उनके शैक्षणिक स्तर को जाना इस दौरान उपखंड अधिकारी वीरमा राम, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी भगवानदास बारूपाल, प्रधानाचार्य गोविंददास गर्ग, कविता, देवेन्द्र सेंवर, हीना, डोली, ज्योति भाटी, ध्रुव कुमार स्वरूपचंद, विजय गर्ग, सवाईलाल, नारायण सिंह, दिव्या जोशी शिक्षक गण उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह जिला कलक्टर के विद्यालय में निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखा गया द्य उन्होंने जिला कलक्टर टीना डाबी से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। जिला कलक्टर ने उनका उत्साहवर्धन करते हुए जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया द्य इस दौरान जिला कलक्टर ने प्रधानाचार्य से विद्यार्थियों के अध्ययन एवं उपलब्ध संसाधनों के बारे में जानकारी ली द्य जिला कलक्टर ने विद्यार्थियों के साथ ग्रुप फोटो भी खिंचवाया।

# वन मंत्री ने सागर जलाशय का निरीक्षण कर पार्क, ओपन जिम एवं वॉकिंग ट्रेक विकसित करने के दिए निर्देश

संजीवनी टुडे

अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शुक्रवार को सागर पर स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत स्वच्छता पखवाड़े के अन्तर्गत किए जा रहे सफाई कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर निगम के महापौर घनश्याम गुर्जर भी मौजूद रहे। मंत्री शर्मा शुक्रवार को सागर जलाशय पहुंचे जहां से उनकी अगुवाई में स्वच्छता ही सेवा पखवाडा का शुभारम्भ हुआ था। उन्होंने जलाशय के आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण कर नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि स्वच्छता ही सेवा पखवाडा के तहत आमजन की भागीदारी से इस क्षेत्र को पूर्णतः साफ-सुथरा बनाए तथा यहां पौधारोपण कराकर ओपन जिम और वॉकिंग ट्रेक भी बनाकर विकसित जाए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि शहर में भी इस पखवाडे के तहत सघन साफ-सफाई कराई जावे और यह भी सुनिश्चित किया जावे कि यह साफ-सफाई की व्यवस्था नियमित रूप से जारी रहे। जलाशय के पास बोर्ड लगाए जिसमें अंकित हो कि जलाशय में दाने व कचरा आदि न डाले व आसपास गंदगी न फैलाए। उन्होंनेसफाई कार्य में लगे कर्मचारियों की सराहना की। साथ ही उन्होंने नगर निगम आयुक्त व नगर निगम के प्रयासों को भी बेहतर बताया। उन्होंने कहा कि अलवर को साफ-सुथरा बनाए रखने के

उद्देश्य से जिले में स्वच्छता ही सेवा अभियान संचालित किया गया है जिसके तहत 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाकर शहर के विभिन्न स्थानों पर सफाई कार्य किया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाकर अलवर को सुन्दर व स्वच्छ शहर बनाने में सहयोग करे।नगर निगम महापौर घनश्याम गुर्जर ने बताया कि वन मंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना में यहां पर सफाई कार्य पूरा होने के बाद पौधारोपण किया जाएगा और इस स्थान को पार्क के रूप में विकसित किए जाने की योजना है। इसके साथ ही यहां ओपन जिम और मॉर्निंग वॉक के लिए ट्रैक बनाया जाएगा। इस दौरान नगर निगम के आयुक्त युवराज मीना सहित मुख्य सफ़ाई निरीक्षक, सहायक अभियंता मौजूद रहे।

# राहुल गांधी के खिलाफ भड़काऊ बयान व अभद्र टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

संजीवनी टुडे

अलवर। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर द्वारा बीजेपी एवं उसके सहयोगी दलों के नेताओं द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ भड़काऊ बयान एवं अभद्र टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में होप सर्कस अलवर पर धरना प्रदर्शन किया गया। योगेश मिश्रा ने अपने वक्तव्य में कहा कि जिस तरीके से बीजेपी एवम उनके सहयोगी दलों के नेता लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधीं के खिलाफ अमर्यादित और अनर्गल बयानबाजी कर रहे है। ये उनका डर बोल रहा है कि चार सौ पार की बात करने वाले लोग ढाई सौ का आंकड़ा भी नही छु सके। ये केवल राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा उनकी आम आदमी, गरीब, मजदूर ,किसान, व्यापारी, युवा, महिलाओं, दलित और अल्पसंख्यकों के प्रति हमदर्दी और राहुल जिस तरह से अंत्योदय कर उन लोगो को समाज में बराबरी का स्थान दिलाना चाहते है। उससे राहुल गांधी

की देश में लोकप्रियता बढ़ रही है। उनकी बढ़ती हुई लोकप्रियता से बीजेपी और उनके सहयोगी दल बोखलाकर ऐसी अनर्गल बयानबाजी कर रहे है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जो राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष भी है। उन्होंने इस बयानबाजी के खिलाफ प्रधानमंत्री पत्र भी लिखा है कि प्रजातंत्र में स्वस्थ मानसिकता से बयान बाजी करनी चाहिए। ऐसी बयान बाजी करने वालो के खिलाफ बीजेपी के उच्च नेतृत्व को अनुशासनहीनता कि कार्यवाही करनी चाहिए। अगर ऐसे लोगो के खिलाफ कोई कार्यवाही बीजेपी नही करती है। तो कांग्रेस पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता बीजेपी और उसके सहयोगी दलों के खिलाफ सड़क से लेकर संसद तक आंदोलन करेगा तथा इनके कारनामों को जनता के समक्ष उजागर करेगा। धरने के पश्चात जिला कांग्रेस कमेटी, अलवर द्वारा स्व. जुबेर खान के देवलोक गमन पर उनकी आत्म शान्ति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हे श्रद्धा सुमन अर्पित की गई।

### धरना एवं प्रदर्शन में ये कांग्रेस नेता रहे उपस्थित

पूर्व विधायक राजेंद्र गण्डुरा, पीसीसी महासचिव अजीत यादव,सुरेंद्र माथुर , नगर परिषद में नेता प्रतिपक्ष विक्रम यादव, जोगिंदर कोचर, गफूर खान, अनिल कुमार जैन, एस.आर यादव, जमशेद खान, सतीश भाटिया, नसरू खान प्रधान, रिपुदमन गुप्ता, जयदीप आर्यन, पंकज शर्मा, हिमांशु शर्मा, राम प्रकाश शर्मा,राजेश विरमानी, हिरेंद्र शर्मा, जीत कौर ,जगदीश अवस्थी, प्रशान्त राजा, गोपेश कुमार शर्मा,दशरथ सिंह शेखावत, प्रमेन्द्र शर्मा ,कृष्ण कुमार खंडेलवाल, गौरीशंकर विजय, सुगन शर्मा ,धर्मपाल नंगली, कमलेश सैनी, डॉ.पायल चौधरी,लीली यादव ,बबिता रानी दिल्लीवाल, बसमीना, सुनील पाटोदिया, रामगोपाल सोनी, मुबारिक हुसैन, दलीप सिंह अघाना, योगेश शर्मा,मुकेश सारवान,रमन सैनी,पप्पू भाई, संदीप पाटिल, हनमान शर्मा, अशोक ,भमला राम मीणा,हरकेश मीना,नन्दा, दुलीचंद कोली, हरिकिशन शर्मा, दीपक सोनी, हारून खान, मुकेश बालेटा, रामधन शर्मा, महेन्द्र कुमार गोयल, दुर्गा सिंह, विकास यादव, रोहितास सिंह नरूका, रेहमत खान, सपात खान, जशमल खान, सत्य नारायण शर्मा, ओम प्रकाश सैन, इंद्रेश लोहेरा, रामकिशन बैरवा, जी. एस. नरूका,, रामसहाय तहसीलदार,, देवेन्द्र कुमार शर्मा, सोनू गोपलिया, राजेश सैनी, अशोक सोनी, रहमतुल्ला,गोपाल जायसवाल, अनिल चुघ एवं कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

### भानपुर कलां एडुब्रेन वर्ल्ड स्कूल की हॉकी टीम ने जिला स्तरीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया

संजीवनी टुडे

भानपुर कलां। कस्बा स्थित एडुब्रेन वर्ल्ड स्कूल ने डोडसर में आयोजित 68वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में उप विजेता रही। निदेशक श्यामसुंदर यादव ने बताया कि डोडसर में 16 सितम्बर से 19 सितम्बर तक आयोजित 68वीं जिला स्तरीय हॉकी खेलकूद प्रतियोगिता में अंडर 14 वर्षीय में एडुब्रेन वर्ल्ड स्कूल की हॉकी टीमों ने अपनी प्रतिभा का जादू दिखाया। बॉयज़ हॉकी टीम ने उपविजेता का खिताब हासिल किया, जबकि गर्ल्स हॉकी टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस दौरान राज्य स्तरीय चैंपियनशिप के लिए 6 खिलाड़ियों का चयन किया है, जिसमें विधान शर्मा, आजाद बासनवाल, साकेत शर्मा है। वही बालिका वर्ग में हॉकी अंडर-14 टीम से अंजलि यादव, सोनू सैनी, द्विजा स्वास्तिक का चयन हुआ है। स्कूल प्रशासन व अभिभावको द्वारा खुशी जाहिर करते हुए टीम व चयनित खिलाड़ियों को धन्यवाद दिया है। संस्थान निदेशक श्यामसुंदर यादव व रवि यादव ने कहा कि यह उपलब्धि हमारे स्कूल की खेल प्रतिभा को दर्शाती है। एडुब्रेन वर्ल्ड स्कूल की हॉकी टीम की यह जीत न केवल स्कूल के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह छात्रों की मेहनत और कर्तव्य का भी परिणाम है। शारीरिक शिक्षक रवि मीना के मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के तहत टीम ने अपनी प्रतिभा को निखारा। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण ने छात्रों को इस उपलब्धि तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हम अपने सभी छात्रों को उनकी भविष्य की प्रतियोगिताओं में भी सफलता की कामना करते हैं।

### जिला कलेक्टर ने किया आंवा में विकास कार्यों का निरीक्षण

संजीवनी टुडे

टोंक। जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने शुक्रवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत उपखंड देवली की ग्राम पंचायत आंवा में विकास कार्यों का निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर ने ग्राम पंचायत सरपंच दिव्यांश महेंद्र भारद्वाज द्वारा ग्राम पंचायत में कराए गए विकास कार्यों की सराहना की। जिला कलेक्टर ने पुस्तकालय, भीम उद्यान, राजभवन, राजेश्वर महादेव मंदिर, शमशान स्थल पर कराए कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने सरपंच दिव्यांश महेंद्र भारद्वाज से राजीविका की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के प्रोत्साहन के लिए कार्य करने पर जोर दिया। साथ ही, ग्राम पंचायत में स्वच्छता और कचरा संग्रहण के लिए बेहतर कार्य करने के लिए विकास अधिकारी रानू इंडिया का निर्देशित किया। इस दौरान उपखंड अधिकारी मनोज कुमार मीणा, एसीईओ ललित कुमार भी मौजूद रहे। जिला कलेक्टर के समक्ष ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत में पेयजल सप्लाई 48 घंटे के अंतराल पर नियमित नहीं होने तथा पानी की गुणवत्ता सही नहीं होने की समस्या बताई। जिला कलेक्टर ने दूरभाष पर जलदाय विभाग के अधिकारियों से बात कर पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। एसडीओ को ग्राम पंचायत में सप्लाई होने वाले पेयजल की क्वालिटी चैक कराने के लिए निर्देशित किया।

### अविकानगर में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर मे शुक्रवार को राजस्थान सरकार के वेटरनरी ऑफिसर्स के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उदेश्य पशुधन में जीवाणु और परजीवी कृमि मे उत्पन्न हो रही दवाइयों के प्रति प्रतिरोधकता क्षमता के बारे मे जागरूकता पैदा करते हुई उनकी समस्या का निदान उपायों पर चर्चा करना रहा। एक दिवसीय वर्कशॉप मे मुख्य अथिति डॉ प्रोफ़ेसर ए.के. गहलोत पूर्व कुलपति राजुवासु बीकानेर का निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर ने स्वागत करते हुई कार्यशाला के बारे मे सम्बोधन दिया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. जी. जी. सनावणे, सह - समन्वयक डॉ सी. पी. स्वर्णकार व डॉ. दुष्यंत कुमार शर्मा द्वारा किया गया। जिसमें राजस्थान सरकार के वेटरनरी अधिकारियों सहित 50 लोगों ने भाग लिया। कार्यशाला मे छोटू लाल बैरवा संयुक्त निदेशक पशुपालन टोंक व ब्लॉक वेटरनरी अधिकारी अनिल परतानी भी उपस्थित रहे। पूरे दिन एंटी माइक्रोबयल रेजिस्टेंस पर चर्चा की गई। संस्थान के विभाग अध्यक्ष डॉ. रणधीर सिंह भट्ट एवं डॉ. सिद्धार्थ सारथी मिश्रा के साथ अन्य वैज्ञानिक भी उपस्थित रहे।

### ड्राइविंग स्किल, रोड सेफ्टी और वर्चुअल ड्राइविंग टेक्नोलॉजी पर वर्कशॉप का आयोजन

संजीवनी टुडे

बिजयनगर। श्री प्राज्ञ महाविधालय के विद्यार्थियों के लिए रीजनल ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर, सिंगावल में ड्राइविंग स्किल, रोड सेफ्टी और वर्चुअल ड्राइविंग टेक्नोलॉजी पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में एनएसएस के साथ अन्य विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। वर्कशॉप का उद्देश्य विद्यार्थियों को ड्राइविंग स्किल, रोड सेफ्टी और वर्चुअल ड्राइविंग टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी देना था। इस वर्कशॉप में यातायात नियमों का पालन,सुरक्षित ड्राइविंग के लिए आवश्यक उपकरण,आपातकालीन स्थिति में क्या करें,ड्राइविंग के दौरान सुरक्षा उपाय के बारे में जानकारी प्रदान की। वर्कशॉप के निर्देशक विक्रम सिंह राठौड़ ने कहा ड्राइविंग स्किल और रोड सेफ्टी की जानकारी हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है। हमें अपने युवाओं को इस तरह की जानकारी देने की आवश्यकता है ताकि वे सुरक्षित ड्राइविंग कर सकें। महाविद्यालय की प्रिंसिपल, दुर्गा कंवर मेवाड़ा ने कहा हमें अपने विद्यार्थियों को सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व के बारे में जानकारी देने की आवश्यकता है। यह वर्कशॉप इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।वर्कशॉप में भाग लेने वाले विद्यार्थियों ने बताया कि हमें इस वर्कशॉप से बहुत कुछ सीखने को मिला। हम अब सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व को समझते हैं और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने के लिए तैयार हैं।

## खबरें फटाफट

### सेवा पखावड़ा अभियान तहत भाजपा पिंण्डवाड़ा मण्डल ने श्रमदान कर मछलियों को खिलाया आटा

संजीवनी टुडे

पिंडवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा मनाये जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत भाजपा पिंडवाड़ा मण्डल द्वारा नगर के गोगाजी तालाब की पाल पर सफ़ाई कर मछलियों को आटा खिलाया। सेवा पखावड़े के नगर संयोजक विक्रम राजपुरोहित ने बताया की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से सेवा पखवाड़े की शुरुआत की गई म जो दो अक्टूम्बर तक चलेगा।जिसमे सेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। सेवा पखावड़े अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को भाजपा पिंण्डवाड़ा मण्डल द्वारा नगर के गोगाजी तालाब की पाल पर श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया व साथ ही तालाब में मोजूद मछलियों को आटा खिलाया गया।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष संतोष गहलोत, पूर्व मंडल अध्यक्ष महावीर यति,उपाध्यक्ष कमलेश राजपुरोहित,महामंत्री त्रिलोक प्रजापत,महामंत्री हितेश रावल,ज़िला सोशल मीडिया सदस्य कल्पेश सोनी, बूथ अध्यक्ष राकेश सोनी, जयंतीलाल प्रजापत,रमेश चौहान, कोषाध्यक्ष चेतन अग्रवाल, पार्षद शंकरलाल घाँची, भूबाराम देवासी, संतोष पुरोहित मौजूद रहे।

### चाकसू में कॉलेज छात्रा ने की खुदकुशी

संजीवनी टुडे

चाकसू । थाने क्षेत्र के वार्ड 4 निवासी एक कॉलेज छात्रा ने शुक्रवार को खुदकुशी कर ली गई है वही और मृतका चाकसू के एक निजी कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी और वही शुक्रवार शाम को वो कॉलेज से घर लौट आई और फिर उसने खुदकुशी कर ली थी और वहीं परिजन उसे चाकसू उपजिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया था और सूचना के बाद अस्पताल पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है और इधर परिजनों का आरोप है कि कोई अनजान शख्स उनकी बेटी को फोन पर परेशान कर रहा था वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

### न्यायधीश पंवार का किया सम्मान

संजीवनी टुडे

चाकसू। कस्बे में एसोसिएशन चाकसू की ओर से अपर जिला न्यायाधीश देवेंद्र सिंह पवार का बार एसोसिएशन द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया और वहीं इस अवसर पर अपर जिला न्यायाधीश ने बार एसोसिएशन के द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की तथा बार एसोसिएशन द्वारा यह शिष्टाचार मुलाकात की गई थी

### योग प्रतिभाओं को जाने अभियान

संजीवनी टुडे

सलूंबर। आयुर्वेद विभाग सलूंबर द्वारा योग के क्षेत्र में सलूंबर जिले में एक विशेष मुहिम चलाई जा रही है, जिसका उ?द्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में योग की प्रतिभाओं को जानना है। इस मुहिम के अंतर्गत 18 वर्ष से 60 वर्ष तक के नागरिकों में योग प्रतिभाओं को जानने के लिए जो नियमित योग करते है, और योग में निपुण है ऐसे नागरिक अपनी जानकारी निम्न लिखित गूगल फॉर्म में भरे। (दिनाँक 21 सितंबर से 20 अक्टूबर 2024 तक)। ''योग करें, स्वस्थ रहें'' विषय पर, योग सम्बंधी वीडियो एवं स्वयं की जानकारी भेज सकते है, नीचे दिए हुए द्वथद्वद्य द्वद अथवा गूगल लिंक अथवा डट दधदद्र में भरनी है, योग अभ्यास करते हुए अपना 3 मिनट का वीडियो, 5 फोटो योग करते हुए द्वथद्वद्य करना है इससे सलूंबर जिले की प्रतिभाओं को जानने का अवसर मिलेगा।

**जयपुर जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी पहुंचे चाकसू, पंचायत समिति सभागार में की जनसुनवाई**

# कई लोग पहुंच गए अपनी फरियाद लेकर, आमजन से हुए रूबरू , न्याय नही मिलने फफक-फफक कर रो पड़ी पीड़ित महिलाएं, अधिकारियों की दी नसीहत पूर्व नगरपालिका चेयरमैन खोखर से ले कार्य का अनुभव

संजीवनी टुडे

चाकसू । जयपुर जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी कार्यभार संभालने के बाद शुक्रवार को चाकसू कस्बे में पहुंचे सम्भवतः उनका जिले में शायद पहला दौरा था वहीं जिला कलेक्टर ने यंहा स्थित पंचायत समिति सभागार में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में शिरकत की जंहा कलेक्टर के आने से पहले ही सेकड़ो लोगो का हुजूम अपनी - अपनी फरियाद लेकर पहुंच गया जिससे लगा कि चाकसू में लंबे समय से जनता की समस्याओं का निराकरण ही नही हो पा रहा था लोगो की भीड़ को नियंत्रित करने के लिये पुलिस को भी दखल देना पड़ा और विधायक रामावतार बैरवा की मौजूदगी जिला कलेक्टर सोनी ने अपने सामने कुर्सियों पर लोगो को बैठाकर बड़ी ही शालीनता से आमजन से रूबरू होकर जनसमस्याएं सुनी ओर हाथों - हाथ सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को बुलवाकर समस्या निस्तारण के निर्देश दिए गए थे और जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने कलेक्टर को पानी, बिजली, स्वास्थ्य, सड़क अतिक्रमण सहित कई समस्याओं से अवगत कराया करीब दो घंटे चली जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर एक्शन में नजर आए कलेक्टर ने जन समस्याओं को लेकर शीघ्र समाधान को लेकर संबंधित अधिकारी को पाबंद किया था और साथ हीं पानी की समस्याओं को लेकर पेयजल विभाग के अधिकारियों को शख्त निर्देश दिए ओर कहा कि अगले सप्ताह बुधवार को चाकसू में जल समस्या समाधान को लेकर विशेष शिविर लगाकर त्वरित कार्रवाई कर फॉलोअप शिविर भी करे और इस दौरान परिवेदना

लेकर बड़ली गांव से पहुंची महिला जिला कलेक्टर के सामने फफक-फफक कर रो पड़ी उसने हाथ जोड़कर कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई जिला कलेक्टर ने महिला को सांत्वना देकर उसकी परिवेदना सुनी महिला ने बताया कि गत दिनों बड़ली गांव में तालाब पर करंट से 3 बालकों की मौत के बाद प्रशासन द्वारा विद्युत लाइन शिफ्ट करने और पीड़ित परिवार को संविदा पर नोकरी देने और मुआवजा देने का आश्वासन दिया गया था लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नही की गई जिला कलेक्टर ने मौके पर ही अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए? थे और इस दौरान पूर्व नगरपालिका चेयरमैन व मौजूदा वक्फ कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल हमीद खोखर भी मुस्लिम समाज के लोगो के डेलीकेशन को लेकर पहुंचे उन्होंने जिला कलेक्टर सोनी को बताया कि बार -बार शिकायत के बाद भी दरगाह की भू माफी जमीन व कुर्क कब्रिस्तान पर भू माफिया दिन -रात अतिक्रमण कर अवैध निर्माण कर रहे है जिला कलेक्टर के आदेश की अवहेलना के तहत ईदगाह भूमि पर निरस्त की गई बिजली ग्रेड की जमीन की एनओसी आज तक नही दी इस पर जिला कलेक्टर सोनी ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि आप पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष खोखर के अनुभवों का लाभ लेकर इन्हें व जनता को राहत दे। इस दौरान विधायक रामवतार बैरवा, पंचायत समिति चाकसू प्रधान उगन्ता देवी चौधरी, उपखण्ड अधिकारी शिवचरण शर्मा, एसीपी सुरेन्द्र सिंह, पूर्व मंडी चेयरमैन कैलाश शर्मा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रवण लाल गुर्जर, कोटखावदा प्रधान प्रहलाद मीणा, नगर मंडल अध्यक्ष रामधन सैनी, पूर्व पालिका अध्यक्ष अब्दुल हमीद खोखर , मेहराज खान , थाना प्रभारी केलाश दान सहित कई जनप्रतिनिधि एवं संबधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे हैं।

## अधिकारियों की लापरवाही से एक बारिश में भरने वाला रूपसागर रहा खाली

संजीवनी टुडे

उदयपुर। अतिक्रमियों की भरमार व अधिकारियों की लापरवाही से शहर के बीचों बीच बना रूपसागर तालाब इस बार लबालब नहीं हो पाया है। एक बारिश में भरने वाला इस तालाब में सिर्फ पेंदे में ही पानी आया है। तालाब के समस्त कैचमेंट को भूमाफिया व अतिक्रमियों ने खत्म कर दिया। पानी की आवक वाले हर मार्ग पर दस-दस फीट भराव डालकर सारे रास्ते बंद कर दिए। हालत ऐसी हो गई कि तालाब में आने वाला सारा पानी रूपसागर के आसपास की कॉलोनियों व खाली भूखंडों में भरा पड़ा है। रूपसागर के इस तालाब पेटे में भूमाफिया अभी भी कई जगह भूखंड काटते हुए धड़ल्ले से बेच रहे हैं। उन्होंने यूडीए की ओर से पूर्व में लगाए गए मुटाम व लाल निशान तक खत्म कर दिए। इन मुटाम से वे काफी आगे निकलते हुए भूखंड ही ही नहीं काट रहे बल्कि बिना स्वीकृतियों के मकान तक बना रहे हैं। इन निर्माणकर्ताओं क पास न तो किसी तरह की निर्माण स्वीकृति है और न ही कि इनके पास कोई वैध दस्तावेज है। अवैध रूप से तालाब पेटे में चल रहे निर्माण के बावजूद यूडीए अधिकारियों ने इन पर कोई कार्रवाई नहीं की। रूपसागर क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर यूडीए आयुक्त राहुल जैन ने भी सीमा निर्धारण के लिए जिला कलक्टर को पत्र लिखा है। रूपसागर क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण को

लेकर यूडीए आयुक्त राहुल जैन ने भी सीमा निर्धारण के लिए जिला कलक्टर को पत्र लिखा है। पत्र में लिखा कि रूपसागर क्षेत्र के आसपास की कॉलोनियों के निवासियों द्वारा समय-समय पर अपने भूखंडों व मकानों के पट्टे जारी किए जाने की मांग की जाती रही है। उक्त क्षेत्र में भूखंडों के पट्टे जारी नहीं होने, बिना निर्माण स्वीकृति के निमार्ण कार्य किए जाने तथा अतिक्रमण संबंधी शिकायतें भी प्राप्त हो रही है। रूपसागर तालाब क्षेत्र की पूर्ण जानकारी नहीं होने से समुचित कार्रवाई संभव नहीं हो पा रही है। इस वर्ष अत्यधिक वर्षा होने से आसपास के क्षेत्र में पानी का भराव बना हुआ है। जैन ने जिला कलक्टर से रूपसागर के सीमा क्षेत्र निर्धारण के लिए जल संसाधन विभाग एवं राजस्व विभाग अधिकारियों की टीम गठित करने की मांग की है, ताकि उक्त क्षेत्र में भूखंडों के पट्टो जारी नहीं होने एवं बिना निर्माण स्वीकृति के निर्माण कार्य किए जाने तथा अतिक्रमण संबंधी शिकायतों के विरुद्ध समुचित कार्रवाई की जा सके। रूपसागर का केचमेंट एरिया चित्रकूटनगर की पहाड़ियां है। यहां से पानी बहता हुआ सीधा रूपसागर तालाब में गिरता है। यह तालाब अक्सर एक ही बारिश में लबालब हो जाता है, लेकिन भूमाफियाओं के कृत्य के चलते इस बार तालाब में अपेक्षा से काफी कम पानी पाया है। पानी वहां पाल तक को भी नहीं छू सका, अभी सिर्फ इसका पेंदा भरा है। केचमेंट में भूमाफियाओं की ओर से 10-10 फीट भराव डालकर रास्ते बना दिए गए। इन रास्तों के कारण पानी तालाब तक नहीं पहुंचा और आसपास खाली पड़े भूखंडों में भर गया।

## डबल इंजन के पास जनता को बताने को कुछ नहीं, राहुल पर टिप्पणी लोकतंत्र को कमजोर करने की ओर इशारा : कांग्रेस

संजीवनी टुडे

उदयपुर।नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए भाजपा नेताओं की बयानबाजी के खिलाफ उदयपुर देहात और शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर अरविंद पोसवाल को ज्ञापन सौंपा। उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष कचरू लाल चौधरी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार देश और राज्य में केवल भाषण और विदेश भ्रमण कर रही है। केंद्र में तीसरी बार सरकार बनाने और राज्य की ''पर्ची सरकार'' को बने नौ महीने से अधिक का समय हो गया है, लेकिन डबल इंजन के पास आमजनता को बताने के लिए कुछ नहीं है। इसीलिए केंद्र सरकार देश के असल मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने को लेकर अपने मंत्रियों और नेताओं से अभद्र टिप्पणी करवा कर गुमराह कर रही है। उदयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ ने कहा कि एक सोची समझी रणनीति के चलते भाजपा के नेता

संवैधानिक पदों पर होने के बावजूद देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए ऐसी अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। यह लोकतंत्र को कमजोर करने की ओर इशारा करता है। राहुल गांधी देश की आवाज बनकर करोड़ों लोगों के हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके लिए ऐसी अपमानजनक भाषा का प्रयोग देश और कांग्रेस कार्यकर्ता कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उदयपुर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे ताराचंद मीणा ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार बनने के बाद आमजन के लिए काम करना पड़ता है। जुमला और झांसा देकर भाजपा ने केंद्र और राज्य में अपनी सरकार तो बना ली, लेकिन आमजन के लिए कोई काम नही कर पा रही है। इसीलिए डबल इंजन की सरकारें अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए राजनीति का स्तर गिरा रही हैं और देश का ध्यान भटका रही हैं। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रवक्ता पंकज कुमार शर्मा ने कहा कि जब राहुल गांधी देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवाज उठाते हैं तो सत्ताधारी दल के वरिष्ठ नेता बौखलाकर उनके खिलाफ अपमानजनक और अनर्गल बयानबाजी करने लगते हैं। शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे के दौरान देश की एकता, सामाजिक सौहार्द्र और जनता के अधिकारों की बात की। उन्होंने भारत के सामने मौजूद चुनौतियों पर ध्यान आकर्षित किया और सत्ता के अहंकार और घृणा की राजनीति का विरोध किया। उनके इस रचनात्मक और जिम्मेदाराना दृष्टिकोण को सत्ताधारी दल के नेताओं ने तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया और जनता का ध्यान भटकाने के लिए अपमानजनक बयान दिए।

## आबादी क्षेत्र से भारी वाहनों की आवाजाही, रोड़ी मिक्सर गाड़ी से टूटी विद्युत लाइन, गुस्साए लोगों ने रास्ता किया जाम

संजीवनी टुडे

शिवदासपुरा। थाना इलाके के प्रहलादपुरा गांव में आबादी क्षेत्र से भारी वाहनों की आवाजाही हो रही है। और वही शुक्रवार दोपहर को रोड़ी मिक्सर गाड़ी से यहां से गुजर रही विद्युत लाइन टूटकर गिर गई और एक मकान की रेलिंग भी टूट गई गनीमत यह रही कि हादसे के वक्त बिजली आपूर्ति बंद थी अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने रास्ता जाम कर दिया विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन की सूचना पर थाना प्रभारी रणजीत सिंह मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइश की लेकिन ग्रामीण नहीं माने और अपनी मांग पर अड़े रहे उन्होंने जेडीए और रीको के अधिकारियो को मौके पर बुलाने की मांग की गई थी और उन्होंने बताया कि गांव के आम रास्ते से भारी वाहनों की आवाजाही रहती है यहां से क्रेशर और मिक्सर वाहन गुजरते रहते है ऐसे में यहां हादसा होने की संभावना बनी रहती है उन्होंने भारी वाहनों की आवाजाही बंद करवाने की मांग की गई है और वही मौक़ेपर प्रशासन ने आम रास्ते में पिलर लगवाने का आश्वासन दिया तब जाकर मामला शांत हुआ है।

## वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय कार्यकर्ता सम्मेलन समवेत - 2024 का उद्घाटन रमेश भाई ओझा के कर कमलों द्वारा हुआ

संजीवनी टुडे

### हमारा कार्य उपकार नहीं साधना हैः रमेश ओझा

पिण्डवाडा। जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन 20 सितंबर को हरियाणा के सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र, समालखा में गुजरात के प्रसिद्ध भागवत कथाकार पूज्य रमेश भाई ओझा के करकमलों द्वारा 10:30 बजे हुआ। इस अवसर पर रमेश भाई ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अपने आशीर्वचन में कहा कि हम सभी को परमात्मा ने जीवन एक साथ जीने के लिए दिया है. जिंदगी को पार्टनरशिप में जीना चाहिएम्भागवत में तीन संदेश है - मनुष्य को मनुष्य के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए,समग्र सृष्टि और जीव जंतु से कैसा व्यवहार करें और प्रकृति के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए. यह तीनों क्रियाएं मनुष्य के यज्ञ को ऊंचाइयों तक ले जाते हैं जो समाज के कल्याण और राष्ट्र निर्माण में सहायक होते हैंम् उन्होंने कहा कि मैं सभी साधु-संतों को भी वनवासी क्षेत्रों में कथा और प्रवचन के लिए बोलते रहता हूं ताकि

देश की अखंडता और एकता कायम रहे दूसरे विधर्मी वहां पहुंच कर उसका फायदा ना उठाएं। प्रारंभ में सिक्किम की बहनों ने बुध्द प्रार्थना की प्रस्तुति है। उद्घाटन अवसर पर मंच साझा कर रहे उद्घाटन के अवसर पर आर एस एस के सह-सरकार्यवाह रामदत्त जी ने कहा कि 3 वर्ष के पश्चात वनवासी कल्याण आश्रम के 75 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैंम्हम सभी कार्यकर्ता यहां से संकल्प लेकर जाएं की जिन जनजातियों में हमारा काम नही है,वैसे जनजातियों के बीच भी हम कार्य का विस्तार करें। मंच पर राष्ट्रीय जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य, कल्याण आश्रम सत्येंद्र सिंह, उपाध्यक्ष एच के नागु एवं तेची गुबीन, महामंत्री योगेश बापट, संगठन मंत्री अतुल जोग, मध्यप्रदेश के जनजातीय सलाहकार समिति सदस्य उर्मिला भारती तथा हरियाणा इकाई के अध्यक्ष राम बाबु उपस्थित रहेम्सम्मेलन के उद्घाटन में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लद्दाख, जम्मू कश्मीर, पूर्वांचल और दक्षिण भारत के राज्यों सहित देश के सभी राज्यों से जनजाति प्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित थे म् इस तीन दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन में 12 सत्रों में सभी कार्यकर्ताओं के साथ देश के विभिन्न भागों में वनवासी कल्याण आश्रम की गतिविधियों और कार्यक्रमों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी म् प्रांतों के कार्यकर्ता अपने-अपने कार्यक्रमों का वृतकथन करेंगे और अधिकारियों का मार्गदर्शन भी प्राप्त करेंगे. विदित हो कि अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम विभिन्न प्रांतों में अपने संबद्ध इकाइयों के माध्यम से जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्राम विकास, स्वावलंबन इत्यादि के 22152 प्रकल्पों का संचालन देश के 17394 स्थानों पर कर रहा हैम् वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा प्रत्येक तीन वर्ष में अखिल भारतीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाता है म् 21 सितंबर को शाम 6-30 बजे आर एस एस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत द्वारा उद्घाटन के पश्चात देश की 80 विभिन्न जनजाति प्रतिनिधियों के द्वारा उनके अपने रीति रिवाज और परंपरा के अनुसार अपनी जनजाति पूजा पद्धति का प्रदर्शन कर ''एकता का संदेश'' देंगे और जनजाति भैया-बहन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे.म्सम्मेलन स्थल पर वनवासी कल्याण आश्रम की प्रगति,उपलब्धियों और मुख्य कार्यक्रमों की चित्र प्रदर्शनी लगाई गई है साथ ही पुस्तकों की बिक्री केंद्र भी लगाई गई है।

# कलक्टर शुभम चौधरी ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

**आमजन को मिलती रहे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं : जिला कलक्टर चौधरी**

संजीवनी टुडे

### हर वार्ड में जाकर देखी व्यवस्थाएं, मरीजों से रूबरू होकर जानी समस्याएं

राजसमंद। जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने शुक्रवार को राजसमंद स्थित आर.के. जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पीएमओ डॉ. रमेश रजाक ने उन्हें अस्पताल के विभिन्न विभागों और सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण कराया। कलक्टर ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अस्पताल में मौजूद सुविधाओं और सेवाओं पर विस्तृत चर्चा की। निरीक्षण के दौरान कलक्टर ने पुरुष वार्ड, महिला वार्ड, शिशु वार्ड, आईसीयू, इमरजेंसी सहित सभी महत्वपूर्ण विभागों का गहनता से निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से संवाद किया और उनकी समस्याओं व अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। मरीजों से मिली फीडबैक के आधार पर उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को तुरंत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से यह सुनिश्चित

करने को कहा कि कोई भी मरीज इलाज के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करे। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने निशुल्क दवा वितरण योजना, प्रयोगशाला, निशुल्क जांच सेवाओं की प्रभावी क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने पीएमओ डॉ रजाक से अस्पताल के स्टाफ की उपलब्धता, संसाधनों की वर्तमान स्थिति और एम्बुलेंस सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कलक्टर ने ओपीडी का दौरा किया और वहाँ उपचार के लिए आए मरीजों से भी बातचीत की, जिससे अस्पताल की सेवाओं पर सीधा फीडबैक मिल सके। इसके अलावा, कलक्टर ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, शौचालयों की स्थिति और पार्किंग व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने यह भी जानने की कोशिश की कि अस्पताल में प्रतिदिन कितने मरीजों का आगमन होता है और भविष्य में किन प्रमुख सुविधाओं की आवश्यकता हो सकती है। साथ ही उन्होंने अस्पताल के विस्तार और आने वाले समय में योजनाओं के बारे में भी अधिकारियों से चर्चा की। बाल चिकित्सालय और जानना वार्ड का विशेष रूप से निरीक्षण कर दिशा-निर्देश दिए। साफ-सफाई व्यवस्था पर संतोष जाहिर किया और कहा कि निरंतर यह व्यवस्था बनाए रखें। वृद्धजनों से भी चिकित्सा व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया। पीएमओ डॉ रजाक ने अस्पताल के नए निर्माण कार्यों का भी विजिट कराया और यहाँ भविष्य में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। निरीक्षण के अंत में कलक्टर ने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में उपलब्ध सभी सुविधाओं का प्रभावी उपयोग हो और सरकार द्वारा संचालित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य योजनाओं का सही क्रियान्वयन किया जाए, ताकि आम जनता को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि अस्पताल में आने वाले सभी मरीजों को त्वरित और सटीक सेवाएं प्रदान की जाएं।

## जिला कलेक्टर ने स्वच्छता रैली को दिखाई हरी झंडी

संजीवनी टुडे

सलूंबर। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आज सलूंबर बस स्टैंड से स्वच्छता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन से शुरू स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरुक करना है। प्रत्येक नागरिक के छोटे-छोटे प्रयासों से शहरी क्षेत्र को स्वच्छ बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के दौरान पंद्रह दिनों तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को जोड़ा गया है। इनके माध्यम से भी आमजन में जागरुकता के प्रयास होंगे। जिला कलेक्टर ने कहा कि पखवाड़े का आयोजन केन्द्र और राज्य सरकार के निर्देशों के अनुरूप किया जाए। इस दौरान प्रत्येक क्षेत्र में जागरुकता गतिविधियां हों। सरकारी कार्यालयों में भी साफ-सफाई की जाए। इनमें अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि

प्रत्येक व्यक्ति अपने घर और घर के आसपास से स्वच्छता की इस मुहीम की शुरुआत करें। इस दौरान जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के बारे में और इसके उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि इस अभियान की मुख्य थीम स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता है। हमें अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाना है। अपने घर, मोहल्ले तथा शहर को स्वच्छ रखना है। अपने घरों में सूखा व गीला कचरा अलग-अलग करने व गीले कचरे से घरों में खाद बनाने के लिए व स्वच्छता के प्रति जागरुक रहने, साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभाव एवं प्लास्टिक के प्रतिबंधित उत्पादों की जानकारी देकर, कपडे एवं जूट के थैलों का प्रयोग करने के बारे में बताया। जिला कलेक्टर ने सभी को सलूंबर को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई तथा आमजन से भी सलूंबर को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की अपील की। कार्यक्रम का समापन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सलूंबर में हुआ इस दौरान मैराथन दौड़ में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरुस्कार वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद आयुक्त गणपत लाल खटीक, सीएमएचओ डॉ जेपी बुनकर, डॉ जगदीश जोशी, कालु राम मीणा सहित विभिन्न विभागीय अधिकारीगण और छात्र छात्राए उपस्थित थे।

सम्पादक की कलम से....

# सम्पादकीय

## मोदी के जीवन संघर्ष, सफलता और कर्तव्य बोध से बहुत कुछ सीखा जा सकता है

आज भारत विश्व में अपनी नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। वो भारत जो कल तक गाँधी का भारत था जिसकी पहचान उसकी सहनशीलता थी, आज मोदी का भारत है जो खुद पहल करता नहीं, किसी को छेड़ता नहीं लेकिन अगर कोई उसे छेड़े तो छोड़ता भी नहीं। गाँधी के भारत से शायद ही किसी ने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसे प्रतिउत्तर की अपेक्षा की होगी। उसके बाद अब डोकलाम विवाद और फिर गलवान घाटी में चीन को अपने जवाब से भारत ने विश्व में अपनी इस बदली हुई पहचान की मुहर लगा दी है। उससे बड़ी बात यह है भारत की इस नई पहचान को विश्व बिरादरी सहजता के साथ स्वीकार भी कर चुकी है। जोकि वैश्विक राजनीति में भारत की कूटनीतिक एवं रणनीतिक विजय की परिचायक है। भारत की यह नई पहचान इसलिए भी विशेष हो जाती है क्योंकि उसे यह पहचान दी है एक ऐसे नेता ने जिसके जीवन की शुरुआत बेहद साधारण रही। जिसका जन्म किसी राजनैतिक परिवार में नहीं हुआ। जिसका केवल बचपन ही नहीं पूरा राजनैतिक जीवन ही संघर्षपूर्ण रहा।

एक चाय वाले से एक प्रचारक, एक प्रचारक से एक मुख्यमंत्री और एक मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री बनने तक का उनका यह सफर बहुतों के लिए प्रेरणादायक है खास तौर पर युवाओं के लिए। शायद वो भी अपनी इस ताकत को जानते हैं इसलिए भले ही अपनी वर्तमान योजनाओं के केंद्र में वो गरीबों और वंचितों को रखें लेकिन उनकी भविष्य की योजनाओं का केंद्र तो देश के युवा ही होते हैं। युवाओं और बच्चों से साल भर वो भिन्न-भिन्न माध्यमों से जुड़े रहते हैं। चाहे परीक्षा पे चर्चा हो या चंद्रयान छोड़े जाने के कार्यक्रम में बच्चों की भागीदारी। इन बच्चों में वो देश का भविष्य देखते हैं तो इन बच्चों को उनमें अपना एक अभिभावक नज़र आता है। यही कारण है कि देश की नई शिक्षा नीति के जरिए मोदी इन बच्चों में छुपे वैज्ञानिक और इंजीनियर ही नहीं बल्कि इनमें छुपे चित्रकार और गीतकार को भी जगाना चाहते हैं। ताकि वे जितनी गहराई से विषय को समझें उतनी ही शिद्दत से मानवीय संवेदनाओं को भी महसूस करें। क्योंकि वो जानते हैं कि भारत को आज जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है उन सब का मूल भ्रष्टाचार है और भ्रष्टाचार का मूल दूसरों के अधिकारों तथा अपने दायित्वों के प्रति संवेदनहीनता है। शायद इसलिए एक तरफ वो युवा आईएएस अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों से व्यक्तिगत संवाद करके उन्हें आमजन के प्रति अपने कर्तव्यों का एहसास कराते हैं तो दूसरी तरफ ''मन की बात'' से आम जनता से रूबरू होकर उन्हें देश और देशवासियों के प्रति उनके दायित्वों का बोध कराते हैं। विशेष बात यह है कि उनकी इन साधारण-सी लगने वाली महत्वपूर्ण बातों को देशभर के लोगों का भारी समर्थन देखने को भी मिलता है। चाहे नोटबन्दी हो या स्वच्छता अभियान। राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें मिलने वाले समर्थन के आगे विपक्ष का राजनैतिक विरोध ध्वस्त हो जाता है। कोरोना काल में जनता कर्फ्यू से लेकर उनकी एक अपील पर देश भर में घंटियों की गूंज ने विश्व के शक्तिशाली से शक्तिशाली नेताओं की नींद उड़ा दी। यही कारण है कि चाहे विश्व के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका के राष्ट्रपति हों वह चुनावों से पहले अमेरिका में बसे भारतीयों को आकर्षित करने के लिए ''हाऊडी मोदी'' कार्यक्रम करवाते हैं तो इजराइल जैसे देश के प्रधानमंत्री चुनावों से पहले मोदी के साथ अपनी मित्रता के बैनर लगवाते हैं। कोरोना जैसी महामारी जिसने यूरोप के विकसित देशों से लेकर अमेरिका तक को हिला दिया वहाँ भारत के गांव-गांव तक कोरोना से बचने के लिए मास्क का उपयोग और हाथ धोने को लेकर आमजन की जागरूकता देखते ही बनती है। कोरोना से भारत जैसा गरीब देश इस प्रकार से लड़ लेगा इसकी विश्व में किसी ने अपेक्षा नहीं की थी। ऐसा लगता है कि इतनी सहजता और सरलता से असंभव को संभव बनाने में मोदी को जैसे महारथ हासिल है। तभी तो संविधान से धारा 370 का हटना हो या राम मंदिर का ऐतिहासिक फैसला, सरकार के इन कदमों से नरेंद्र मोदी ने देशवासियों के दिलों में वो जगह बना ली जो कल्पना से परे है। वडनगर के एक साधारण से स्कूल से शिक्षा अर्जित करने वाला विद्यार्थी विदेशों के बड़े-बड़े विश्वविद्यालयों से बड़ी-बड़ी डिग्री धारी नेताओं के लिए इतनी लंबी लकीर खींच देगा, यह किसने सोचा था। राजनैतिक परिवार में पैदा होने वाले एवं राजनैतिक वातावरण में पल कर बड़े होने वाले ऐसे नेता जो राजनीति में टिके रहने के लिए इसे ही अपनी सबसे बड़ी शक्ति मानते थे उनके लिए नरेंद्र मोदी जैसे व्यक्तित्व का प्रधानमंत्री बनना एक सबक है। खुद मोदी के शब्दों में, मैं मुख्यमंत्री बनने से पहले मुख्यमंत्री के दफ्तर नहीं गया। मैं सांसद बनने से पहले संसद भवन नहीं गया। और प्रधानमंत्री बनने से पहले प्रधानमंत्री कार्यालय नहीं गया।

## आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

**मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) :** आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

**वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) :** सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

**मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) :** कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

**कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) :** किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

**सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) :** परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

**कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) :** आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

**तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) :** आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

**वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) :** व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

**धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) :** आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

**मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) :** आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

**कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) :** आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

**मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) :** आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

# अकाउंटिंग में करियर के अवसर

**विचार बिन्दु**

**अब जब आपको अकाउंटिंग के क्षेत्र में अपने कुछ करियर विकल्पों के बारे में पता चल गया है, तो यह तय करने का समय आ गया है कि आप किस दिशा में जाना चाहते हैं। जबकि अधिकांश लेखांकन पदों के लिए समान सामान्य कौशल की आवश्यकता होगी – जिसमें आम तौर पर विश्लेषणात्मक होना, संख्याओं के साथ अच्छा होना, और अन्य प्रमुख दक्षताओं के बीच डेटा की व्याख्या करने में सक्षम होना शामिल है – प्रत्येक लेखांकन कैरियर पथ के लिए कौशल और प्रशिक्षण के थोड़े अलग सेट की आवश्यकता होगी।**

विजय गर्ग

अकाउंटिंग में करियर शुरू करना एक स्मार्ट विकल्प है - उद्योग में महत्वपूर्ण वृद्धि के पूर्वानुमान, एक उच्च औसत वेतन, और योग्य लेखा पेशेवरों की मांग के साथ, इस क्षेत्र में शामिल होने के लिए समय कभी बेहतर नहीं रहा। हालाँकि, एक बार जब आप यह तय कर लेते हैं कि आप एक अकाउंटिंग करियर बनाने जा रहे हैं, तो आप जल्दी से पाएंगे कि यह क्षेत्र आपके विचार से कहीं अधिक बड़ा और अधिक विविध है, जिसमें कई अलग-अलग क्षेत्रों में अपने कौशल को लागू करने के अवसर हैं। यदि आप इस बारे में सुनिश्चित नहीं हैं कि आप अकाउंटिंग में डिग्री के साथ क्या कर सकते हैं, तो यह जानने के लिए पढ़ें कि आपके लिए सही अकाउंटिंग करियर कैसे चुनें। जबकि अधिकांश लोग लेखांकन के बारे में एक समरूप उद्योग के रूप में सोचते हैं, वास्तविकता यह है कि कोई एक निर्धारित लेखांकन कैरियर पथ नहीं है। लेखांकन के कई अलग-अलग क्षेत्र हैं जिनका आप अनुसरण कर सकते हैं, प्रत्येक का अपना फोकस और विशेषज्ञता का क्षेत्र है। जबकि लगभग सभी लेखांकन करियर के लिए मूलभूत तकनीकी लेखांकन कौशल और क्षमताओं के आधार की आवश्यकता होगी, वहां से, आप अपनी रुचियों के आधार पर किसी भी दिशा में जा सकते हैं। लेखांकन में करियर के कुछ क्षेत्र यहां दिए गए हैं जो आपके लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

यदि आपने सीपीए प्रमाणन प्राप्त कर लिया है, या प्राप्त करने की योजना बना रहे हैं, तो आप एक सार्वजनिक लेखा फर्म में काम करने के योग्य हैं। एक सार्वजनिक लेखा फर्म आम तौर पर व्यवसायों, व्यक्तियों, गैर-लाभकारी संस्थाओं और सरकारों सहित कई क्षेत्रों में कई ग्राहकों के लिए लेखा परीक्षा, कर, परामर्श और लेखा सेवाएं प्रदान करती है। सार्वजनिक लेखांकन में नौकरी आपको वित्तीय विवरणों की तैयारी और समीक्षा से लेकर बजट का विश्लेषण करने से लेकर कर कार्य से लेकर वित्तीय मुद्दों की एक श्रृंखला पर परामर्श और सलाह तक, लेखांकन क्षेत्र के कई अलग-अलग पहलुओं में अनुभव प्रदान करेगी। जैसा कि नाम से पता चलता है, एक कर खाता केवल कर-संबंधित लेखांकन कार्य पर केंद्रित होता है, व्यक्तियों और कंपनियों के लिए त्रैमासिक और वार्षिक कर रिटर्न (स्थानीय, राज्य और संघीय) तैयार करता है। फॉरेंसिक एकाउंटेंट कंपनियों के वित्तीय विवरणों की जांच करते हैं और कानूनी मामलों के लिए विश्लेषण प्रदान करते हैं, गबन या धोखाधड़ी जैसे अपराधों की जांच करते हैं।

वित्तीय लेखाकार एक संगठन या व्यवसाय के लिए काम करते हैं, जो रिपोर्ट तैयार करते हैं जो स्टॉकहोल्डर्स, लेनदारों और कर एजेंसियों के लिए वित्तीय प्रदर्शन (उदाहरण के लिए, लाभ और हानि विवरण, बैलेंस शीट और कैश फ्लो स्टेटमेंट) का आकलन करते हैं - अनिवार्य रूप से, कंपनी के बाहर के व्यक्ति। प्रबंधकीय लेखाकार वित्तीय लेखाकारों के समान कार्य करते हैं, लेकिन आंतरिक हितधारकों पर ध्यान केंद्रित करते हैं - वे आंतरिक समीक्षा के लिए रिपोर्ट तैयार करते हैं, ताकि व्यवसायों की योजना, बजट और प्रदर्शन में सुधार करने में मदद मिल सके। कुछ लेखा पेशेवर वित्तीय नियोजन फर्मों के लिए या स्वतंत्र वित्तीय सलाहकार के रूप में काम करना चुनते हैं। वित्तीय योजनाकार व्यक्तियों को उनके वित्त के साथ बजट बनाने से लेकर करों तक निवेश करने में सहायता करते हैं। बड़े निगमों में, आंतरिक लेखा परीक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा रहा है, कि कंपनी सभी राज्य और संघीय आवश्यकताओं के अनुपालन में है, और धन का कुप्रबंधन नहीं किया जा रहा है। सरकारी लेखाकार सार्वजनिक क्षेत्र में काम करते हैं, सरकार के सभी स्तरों - स्थानीय, राज्य या संघीय के लिए वित्तीय जानकारी का प्रबंधन करते हैं। उनका ध्यान अक्सर धन के प्रबंधन पर होता है, चाहे वह उचित कानूनों के अनुसार एकत्र और खर्च किया जा रहा हो।

अब जब आपको अकाउंटिंग के क्षेत्र में अपने कुछ करियर विकल्पों के बारे में पता चल गया है, तो यह तय करने का समय आ गया है कि आप किस दिशा में जाना चाहते हैं। जबकि अधिकांश लेखांकन पदों के लिए समान सामान्य कौशल की आवश्यकता होगी - जिसमें आम तौर पर विश्लेषणात्मक होना, संख्याओं के साथ अच्छा होना, और अन्य प्रमुख दक्षताओं के बीच डेटा की व्याख्या करने में सक्षम होना शामिल है - प्रत्येक लेखांकन कैरियर पथ के लिए कौशल और प्रशिक्षण के थोड़े अलग सेट की आवश्यकता होगी। यहां कुछ चीजें हैं जिन पर आप विचार करना चाहेंगे। अधिकांश पेशेवर लेखा नौकरियों के लिए स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। यदि आपने एक सहयोगी की डिग्री पूरी कर ली है, तो आप अतिरिक्त क्रेडेंशियल प्राप्त करने के लिए बैचलर इन अकाउंटिंग प्रोग्राम में दाखिला लेने पर विचार कर सकते हैं, जो एक नई भूमिका के लिए विचार किए जाने पर एक बड़ा बदलाव ला सकता है। जबकि अधिकांश लेखांकन नौकरियों के लिए मास्टर डिग्री की आवश्यकता नहीं होती है, यदि आप सीपीए के लिए बैठने की योजना बना रहे हैं, तो आपको परीक्षा देने के लिए 150 कॉलेज क्रेडिट घंटे की आवश्यकता होगी (अधिकांश स्नातक कार्यक्रम 120 क्रेडिट हैं, जिसका अर्थ है कि आपको एक पूरा करने की आवश्यकता होगी अतिरिक्त 30)। ये क्रेडिट सभी लेखा क्षेत्र में होने की आवश्यकता नहीं है, और स्नातक या स्नातक स्तर पर हो सकते हैं। कुछ लोग अकाउंटिंग सर्टिफिकेट या अकाउंटिंग में मास्टर डिग्री पूरी करके इस आवश्यकता को पूरा करना चुनते हैं (न्यूनतम 150 घंटे तक पहुंचने के लिए उन्हें क्रेडिट की संख्या के आधार पर समाप्त करना होगा)। कुछ लोग इस अवसर को एक नए विषय क्षेत्र का पता लगाने के लिए भी लेते हैं और संबंधित क्षेत्र में एमबीए या प्रमाणपत्र प्राप्त करेंगे। जब आप अपने अकाउंटिंग करियर पथ के बारे में सोचना शुरू कर रहे हों तो यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। सीपीए के लिए बैठने से नए क्षेत्रों में नौकरी की संभावनाएं और अवसर बढ़ सकते हैं, इसके लिए बहुत समय, संसाधन और प्रयास की भी आवश्यकता होती है - और कई लेखांकन नौकरियों के लिए आवश्यक नहीं है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यदि आप इस चुनौती को स्वीकार करते हैं, तो आप अपने समय का बुद्धिमानी से उपयोग कर रहे हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए अपने लक्ष्यों के बारे में सोच-समझकर कुछ समय व्यतीत करें। छोटे से लेकर बड़े तक, सभी क्षेत्रों में लगभग हर प्रकार के व्यवसाय में लेखाकारों की आवश्यकता होती है। इसका मतलब है कि यह आपको तय करना है कि आपको लगता है कि आप सबसे अच्छा फिट होंगे। अपने लक्ष्यों के बारे में सोचें: क्या आप एक परामर्श फर्म के लिए काम करना चाहते हैं, जहां आपके पास कई ग्राहक होंगे, या आप किसी निजी कंपनी या गैर-लाभकारी संगठन में लेखा टीम में रहना पसंद करेंगे? विशिष्ट खाता क्षेत्रों में आपकी रुचि उन व्यवसायों के प्रकारों को भी निर्धारित करेगी जिनके लिए आप काम कर सकते हैं - यदि आप आंतरिक ऑडिटिंग में रुचि रखते हैं, तो संभावना है कि आपको बड़े निगमों को देखने की आवश्यकता होगी। यदि आप एक स्वतंत्र कार्यकर्ता हैं, तो शायद आप एक वित्तीय सलाहकार के रूप में अच्छा करेंगे।

# 18 सितंबर से शुरू हो रहे अधिक मास में बन रहे हैं कई शुभ संयोग

धार्मिक मान्यता है कि अधिक मास के अधिपति स्वामी भगवान विष्णु हैं और पुरुषोत्तम भगवान विष्णु का ही एक नाम है, इसलिए अधिक मास को पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है। पुराणों में इस मास को लेकर कई धार्मिक रोचक कथाएं भी दी गई है।

अधिक मास 18 सितंबर से शुरू हो रहा है, जिसका 16 अक्टूबर को समापन होगा। इस साल अधिक मास में 15 दिन शुभ योग रहेगा। अधिक मास के दौरान सर्वार्थ सिद्धि योग 9 दिन, द्विपुष्कर योग 2 दिन, अमृत सिद्धि योग 1 दिन और पुष्य नक्षत्र का योग दो दिन बन रहा है। पुष्य नक्षत्र भी रवि और सोम पुष्य होंगे। मां चामुण्डा दरबार के पुजारी गुरु पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि पौराणिक सिद्धांतों के अनुसार इस मास के दौरान यज्ञ-हवन के अलावा श्रीमद् देवीभागवत, श्री भागवत पुराण, श्री विष्णु पुराण, भविष्योत्तर पुराण आदि का श्रवण, पठन, मनन विशेष रूप से फलदायी होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि अधिक मास के अधिष्ठाता भगवान विष्णु जी हैं, इसीलिए इस पूरे समय में भगवान विष्णु जी के मंत्रों का जाप विशेष लाभकारी होता है। हिंदू धर्म में जहां मलमास का विशेष महत्व है, वहीं ज्योतिष शास्त्र के लिहाज से भी इसे काफी विशेष माना जाता है। इस वर्ष जो मलमास आने वाला है, उसे काफी शुभ माना जा रहा है। ज्योतिष विद्वानों का मानना है कि ऐसा शुभ संयोग मलमाल में 160 वर्ष बाद बन रहा है और इसके बाद ऐसा शुभ मलमास 2039 में आएगा।17 सितंबर को श्राद्ध खत्म होने के बाद 18 सितंबर से अधिकमास शुरू होंगे। अधिकमास 16 अक्टूबर तक चलेगा। इसके बाद 17 अक्टूबर से नवरात्रि मनाई जाएगी। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल आश्विन मास में अधिकमास है। जिसका अर्थ है कि इस साल दो आश्विन मास होंगे। आश्विन मास में नवरात्रि, दशहरा जैसे त्योहारों को मनाया जाता है। इस साल अधिकमास में कई शुभ संयोग बन रहे हैं। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक, अधिकमास में 15 दिन शुभ संयोग बन रहे हैं। ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि अधिक मास को कुछ जगहों पर मलमास के नाम से भी जानते हैं। इसके अलावा इस महीने को पुरुषोत्तम के नाम से भी जानते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, मालिनमास होने के कारण कोई भी देवता इस माह में पूजा नहीं करवाना चाहता था। इस माह का देवता कोई भी नहीं बनना चाहता था। तब मलमास ने स्वयं भगवान विष्णु से निवेदन किया था। तब भगवान विष्णु ने मलमास को अपना नाम पुरुषोत्तम दिया था। तभी से इस माह को पुरुषोत्तम मास के नाम से भी जानते हैं। जब धरती के घूमने के कारण दो वर्षों के बीच करीब 11 दिनों का फासला हो जाता है तो तीन साल में करीब एक महीन के बराबर का अंत आ जाता है। इसी अंतर के कारण हर तीन साल में एक चंद्र मास आता है। हर तीन साल में बढ़ने वाले इस माह को ही अधिक मास या मलमास कहा जाता है। विश्वविख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि भारतीय हिंदू कैलेंडर मे सूर्य और चंद्र की गणनाओं के आधार पर चलता है। अधिकमास दरअसल चंद्र वर्ष का एक अतिरिक्त भाग है, जो हर 32 माह, 16 दिन और 8 घंटे के अंतर से आता है। भारतीय गणना पद्धति के अनुसार हर सूर्य वर्ष 365 दिन और 6 घंटे का माना जाता है। वहीं चंद्र वर्ष 365 दिनों का माना जाता है। यानी दोनों में करीब 11 दिनों का अंतर होता है, जो तीन वर्ष में एक माह के लगभग हो जाता है। इसी कारण इसे अधिक मास कहा जाता है। पंडित रत्नेश शास्त्री के अनुसार अधिक मास की शुरुआत 18 सितंबर को शुक्रवार, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र और शुक्ल नाम के शुभ योग में होगी। ये दिन काफी शुभ रहेगा।

## 21 सितम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

| | |
|---|---|
| 1995 | संयुक्त राज्य महासभा का 50वाँ अधिवेशन प्रारम्भ। |
| 1999 | रईसा गोर्बाच्योव का निधन। |
| 2000 | क्लिंटन दम्पत्ति 'व्हाइट वाटर कांड' के आरोपों से मुक्त। |
| 2001 | अमेरिका ने 150 लड़ाकू विमान खाड़ी में उतारे। |
| 2003 | संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित कर इस्त्रायल से यासिर अराफ़ात की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। |
| 2004 | इंडोनेशिया में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान। |
| 2006 | ब्रिटेन के रॉयल बॉटैनिक गार्डन्स के वैज्ञानिकों को 200 वर्ष पुराने बीज उगाने में कामयाबी मिली। बहरीन में विश्व कन्नड़ संस्कृति सम्मेलन का आयोजन। 15 वर्ष बाद ब्रूसेल्स में भारत महोत्सव का आयोजन पुनः प्रारम्भ। |
| 2007 | फ़्राँस की सबसे वृद्ध महिला सिमोन कैपोन की 113 की अवस्था में मृत्यु हो गई। |
| 2009 | मराठी फ़िल्म 'हरिशचन्द्राची फैक्ट्री' को आस्कर अवार्ड्स की विदेशी फ़िल्म कैटिगरी में भारत की एंट्री के तौर पर चुना गया। |
| 2012 | भारत की राजभाषा हिंदी दुनिया में दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। बहुभाषी भारत के हिंदी भाषी राज्यों की आबादी 46 करोड़ से अधिक है। |
| जन्मे व्यक्ति | |
| 1897 | नाना साहब परुलेकर - मराठी पत्रकार। |
| 1911 | श्रीराम शर्मा आचार्य - भारतीय आध्यात्मिक नेता। |

# नारी कब तक बेचारगी का जीवन जीयेगी?

**विचार बिन्दु**

**ललित गर्ग**

**तुरंत फैसला क्यों नहीं हो जाता इन हैवानों एवं महिला अत्याचारियों का? इन आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए क्या हमें भी कुछ मुस्लिम देशों की जैसी क्रूर सज़ा का प्रावधान करना चाहिए?**

हम तालिबान-अफगानिस्तान में बच्चियों एवं महिलाओं पर हो रही क्रूरता, बर्बरता शोषण की चर्चाओं में मशगूल दिखाई देते हैं लेकिन भारत में आए दिन नाबालिग बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाओं तक से होने वाली छेड़छाड़, बलात्कार, हिंसा की घटनाएं पर क्यों मौन साध लेते हैं? इस देश में जहां नवरात्र में कन्या पूजन किया जाता है, लोग कन्याओं को घर बुलाकर उनके पैर धोते हैं और उन्हें यथासंभव उपहार देकर देवी मां को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं वहीं इसी देश में बेटियों को गर्भ में ही मार दिये जाने एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को नौंचने की त्रासदी भी है। इन दोनों कृत्यों में कोई भी तो समानता नहीं बल्कि गज़ब का विरोधाभास दिखाई देता है। दुनियाभर में महिलाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद महिलाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी महिलाओं की स्थिति, कन्या भूरण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में महिला की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, महिलाओं की सुरक्षा, महिलाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर नारी कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

दरअसल छोटी लड़कियों या महिलाओं की स्थिति अनेक मुस्लिम और अफ्रीकी देशों में दयनीय है। जबकि अनेक मुस्लिम देशों में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के लिये सख्त सजा का प्रावधान है, अफगानिस्तान-तालिबान का अपवाद है। वहां के तालिबानी शासकों ने महिलाओं को लेकर जो फरमान जारी किए हैं वो महिला-विरोधी होने के साथ दिल को दहलाने वाले हैं। नये तालिबानी फरमानों के अनुसार महिलाएं आठ साल की उम्र के बाद पढ़ाई नहीं कर सकेंगी। आठ साल तक वे केवल कुरान ही पढ़ेंगी। 12 साल से बड़ी सभी लड़कियों और विधवाओं को जबरन तालिबानी लड़कों से निकाह करना पड़ेगा। बिना बुर्के या बिना अपने मर्द के साथ घर से बाहर निकलने वाली महिलाओं को गोली मार दी जाएगी। महिलाएं कोई नौकरी नहीं करेंगी और शासन में भागीदारी नहीं करेंगी। दूसरे मर्द से रिश्ते बनाने वाली महिलाओं को कोडों से पीटा जाएगा। महिलाएं अपने घर की बालकनी में भी बाहर नहीं झांकेंगीं। इतने कठोर, क्रूर, बर्बर और अमानवीय कानून लागू हो जाने के बावजूद अफगानिस्तान की पढ़ी-लिखी और जागरूक महिलाएं बिना डरे सड़कों पर जगह-जगह प्रदर्शन कर रही हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियों को इन महिलाओं स्वतंत्र अस्तित्व को बचाने के लिये आगे आना चाहिए। तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के भारत में भी महिलाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। भारत में भी जब कुछ धर्म के ठेकेदार हिंसात्मक और आक्रामक तरीकों से महिलाओं को सार्वजनिक जगहों पर नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं तो वे भी तालिबानी ही नजर आते हैं। विरोधाभासी बात यह है कि जो लोग नारी को संस्कारों की सीख देते हैं, उनमें से बहुत से लोग, धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत महिलाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। वक्त बीतने के साथ सरकार को भी यह बात महसूस होने लगी है। शायद इसीलिए सरकारी योजनाओं में महिलाओं की भूमिका को अलग से चिह्नित किया जाने लगा है। आये दिन कोई न कोई महिला अत्याचार, बलात्कार एवं शोषण की घटना सुनाई देती है जो दिल को दर्द से भर देती है और बहुत कुछ सोचने को विवश कर देती है। देश के किसी एक भाग में घटी कोई घटना सभी महिलाओं के लिए चिंता पैदा कर देती है। यूं तो महिलाओं के संरक्षण के लिए बहुत सारे कानून बने हैं लेकिन अपराधियों को इनका ज़रा भी खौफ क्यों नहीं? जब देश में ऐसी कोई घटना घटित होती है तो क्यों लंबे समय तक तारीख पर तारीख लगती रहती हैं?

# कम हो तनाव तो केश रहे लाजवाब

**चिंता चिता के समान होता है, जितनी जल्दी जला दें अच्छा है। यहां तो चिंताओं के बीच ही लोग जीवन-यापन के तौर-तरीके सीखते हैं। किसी की जेब में पैसे नहीं है तो किसी को नौकरी की चिंता सता रही है। इसी चिंता की चिता में नौजवानों के बाल जल रहे हैं। केशों का टूटना या यों कहें कि गंजापन की अंधी दौर चल पड़ी है। जिसमें बहुत कम ही लोग सुरक्षित हैं। ऐसे में भी डॉक्टर मानते हैं कि बाल गिरना एक चिकित्सकीय बीमारी है, जिसका निदान संभव है। हेयर ट्रांसप्लांट व त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित शर्मा कहते हैं कि बाल कम होने के अनेकों कारण है। पैसों की कमी के बीच भी जीवन तनाव मुक्त जीया जा सकता है। खानपान का भी केश पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। डॉक्टर मानते हैं कि शुरू से ही कुछ चीजों का खयाल रखें तो गंजेपन की समस्या से बचा जा सकता है। बाल गिरने की रोकथाम करने और उपचार के लिए एक कारगर व सुरक्षित विकल्प के लिए डॉक्टर की सला ले सकते हैं।**

## रुसी या सिकरी है झड़ने का मूल कारण

सर की त्वचा में कुपोषण या रूखेपन के कारण जड़ों की त्वचा सूख कर झड़ने लगती है। जिसे सामान्य भाषा में रुसी या सिकरी कहा जाता है। रुसी होने पर बाल झाड़ने शुरू हो सकते हैं।

## सिर को साफ रखें

फंगल संक्रमणों से बचने के लिए अपने सिर को साफ रखें। अपने बालों को नियमित रूप से धोने, गंदगी को साफ करने और ज्यादा तेल की वजह से सिर की त्वचा के बंद हो जाने वाले छिद्रों को खोलने के लिए किसी हल्के शैम्पू का इस्तेमाल करें। आप अपने बालों को मुलायम बनाने और उलझने से रोकने के लिए किसी सौम्य कंडीशनर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। सौम्य और प्राकृतिक हेयरस्टाइल तकनीकों का चुनाव करें।

## रुसी या सिकरी का उपचार

**बाल धोने के आधा घटे पूर्व एक-दो नीबू काटकर बालों में मल लें तथा हल्के गरम पानी से सर धो लें। इससे रुसी का सफाया हो जाता है। दो किलो पानी में नींबू रस निचोड़कर एक सप्ताह तक प्रतिदिन अच्छी प्रकार से केश धोएं। नारियल के तेल में तेल से आधा कपूर, नीबू का रस मिलाकर जड़ों में हलकी मालिश करें और रोज मोटे दात वाले कंघे से हल्के हाथों से मालिश करें। बालों को साबुन से न धोकर रीठा से धोएं।**

## बाल कम होने के कारण

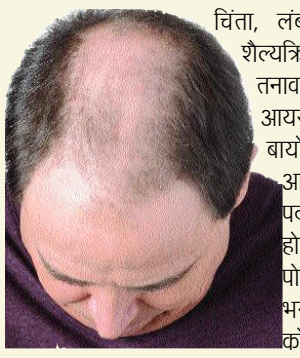

चिंता, लंबी बीमारी या शैल्यक्रिया के कारण तनाव होना। प्रोटीन, आयरन, जिंक या बायोटिन जैसे आवश्यक पोषक पदार्थो की कमी होना। लिहाजा पोषक तत्वों से भरे खाद्य पदार्थो को तरजीह दें। यौन हार्मोनों के स्तर में अचानक बदलाव आना, मसलन महिलाओं में डिलीवरी के बाद। सिर में फंगल संक्रमण होना। हेयरड्रेसिंग (केश सज्जा) तकनीकों का इस्तेमाल करना, जैसे - कसकर गूंथना, मोड़ना या बालों को अत्यधिक तापमान में रखना। ब्लीचिंग, कलरिंग और परमिंग, जैसे - प्रबल रसायनों के इस्तेमाल से बालों का उपचार करना। ये बालों की जड़ों को कमजोर करते हैं और इसके कारण बाल टूटते और झड़ते हैं। एंटीबायोटिक्स, बीटा ब्लॉकर्स और कॉर्टीसोंस जैसी औषधियां लेना। कीमोथेरेपी बालों की कोशिकाओं को नष्ट कर सकती है।

## बालों का खयाल रखने के नुस्खे

हेलमेट, कंघियों, हेयरब्रशों और टोपियों को दूसरे लोगों के साथ साझा न करें। बाल गीले हों तो इन पर ब्रश या कंघी न करें। या बहुत कसकर ब्रश नहीं करें। चिंता, अवसाद और अत्यधिक उलेजना पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्यवर्द्धक और संतुलित आहार लें। हरी सब्जियां, नारियल, सोया, मछली, अंडे, लीवर और बादाम तथा अखरोट जैसी गिरियां आपके बालों को अच्छा पोषण प्रदान कर सकती है।

## हैप्पी रहने के 9 मंत्र

- जिस जगह या स्थान में जाने पर आपके मन को सुकून मिलता हो, ऐसी जगह पर बार-बार जाएं।
- एक कहावत है कि किसी को नाराज करने में एक मिनट का भी समय नहीं लगता, लेकिन किसी को हंसाने में कई घंटे बीत जाते हैं। इसलिए दूसरों को हंसने का अवसर अवश्य प्रदान करें।
- सकारात्मक सोच से कठिन से कठिन दिखाई देने वाले काम आसानी से संपन्न हो जाते हैं। यदि आप अपने मन में सकारात्मक भाव जाग्रत करेंगी तो आपका हर काम आसानी से पूरा हो जाएगा।
- अपनी छोटी-बड़ी हर उपलब्धि का जश्न मनाएं। कभी भी इस इंतजार में छोटी उपलब्धि को दरकिनार न करें कि जब बड़ी उपलब्धि हासिल होगी तो जश्न मनाएंगी।
- तन की सुंदरता के बजाय मन की सुंदरता को महत्व दें। तन की सुंदरता तो कुछ वर्षो की मेहमान है, जबकि मन की सुंदरता तो हमेशा साथ रहेगी।
- अपने आसपास के लोगों पर विश्वास करें। यदि आप हरेक को शंकालु दृष्टि से देखेंगी तो जिंदगी का आनंद उठाने से वंचित रह जाएंगी।
- कौन कैसा है इस बात पर ज्यादा दिमाग न लगाएं। इसके बजाय इस बात पर ध्यान केंद्रित करें कि आप अपने को और अच्छा कैसे बना सकती हैं।
- जो बात दिल में हो उसे कहने में संकोच न करें। कई बार हम अपने दिल की बात जुबां पर नहीं ला पाते और हमें बाद में पछताना पड़ता है।
- बिस्तर पर जाने से पहले सारी चिंताओं को अलग कर दें और बेफ्रिक होकर लेटें।

# त्वचा कहे नो चिपचिप

**तैलीय और चिपचिपी त्वचा चेहरे के आकर्षण को कम कर देती है, लेकिन ऐसी त्वचा की अगर सही देखभाल की जाए तो वह निखर उठेगी। इसके लिए आप यहां दिए कुदरती उपायों को अपनाएं। त्वचा का तैलीय होना सिबेशियस ग्लैंड्स के अत्यधिक सक्रिय होने का नतीजा होता है। त्वचा की कोमलता बरकरार रखने के लिए प्राकृतिक तेल जरूरी है, पर जब तैलीय ग्रंथियां अधिक तेल का सिक्रीशन करती हैं तो एक्ने और मुंहासों की समस्या शुरू हो जाती है। ऐसे में धूल-मिट्टी और प्रदूषण के कारण त्वचा के छिद्र भी बंद हो जाते हैं। अगर आप भी तैलीय त्वचा से परेशान हैं तो यहां दिए गए कुदरती उपायों को अपनाएं और पाएं साफ-सुथरी व निखरी त्वचा।**

## 6 टिप्स हैल्दी त्वचा के लिए

- सेब को छीलकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20 मिनट बाद हलके गुनगुने पानी से चेहरा साफ कर लें। सेब एएचए का बेहतरीन स्रोत होता है, जो त्वचा को टोन करता है। उसे मुलायम और कांतिमय बनाता है।
- एक टी स्पून चंदन पाउडर में गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बनाएं। फिर उसे चेहरे पर लगाएं। सूखने पर पानी से धो लें। इससे त्वचा के दाग-धब्बे और एक्ने भी दूर होंगे।
- 1 टी स्पून बेसन में चुटकी भर हल्दी पाउडर, आधा नीबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं। अगर आपको नीबू सूट नहीं करता है तो उसकी जगह पर दही मिला सकती हैं। आंखों के आसपास का हिस्सा छोड़कर लगाएं। सूखने पर हलके हाथों से मलते हुए छुड़ाएं। यह त्वचा का कालापन दूर करता है। हल्दी त्वचा की चमक बरकरार रखती है।
- तैलीय त्वचा को भी मॉयस्चराइजर की जरूरत होती है और इसके लिए आप शहद का इस्तेमाल कर सकती हैं। शहद एक बेहतरीन कुदरती मॉयस्चराइजर होता है। इसे चेहरे पर 15 मिनट लगाएं। फिर धो लें। यह त्वचा की जलन, मुंहासे और कालेपन को दूर करता है। साथ ही उसे कांतिमय और लचीली बनाता है।
- 1 टेबल स्पून चावल के आटे में 1 टेबल स्पून कॉर्नफ्लोर और नीबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर भीतर से बाहर की तरफगोलोई में हाथ घुमाते हुए कुछ देर मसाज करें। चावल का आटा डेड सेल्स हटाता है। त्वचा के छिद्र भी खोलता है, ताकि साफऑक्सीजन त्वचा के भीतर जा सके।
- 1 टेबल स्पून मुलतानी मिट्टी में अंडे की सफेदी, 1 टेबल स्पून ओट्स पाउडर, 1 टेबल स्पून कॉर्नफ्लोर और गुलाबजल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20 मिनट बाद चेहरा साफ कर लें।

## खीरे से बना फेस पैक फायदेमंद

यदि आपकी त्वचा तैलीय है तो खीरे का फेस पैक आपके लिए बहुत अच्छा एक अच्छा फेस पैक है। खीरे का फेस पैक बनाने के लिए एक खीरे में एक अंडे की सफेदी, 1 चम्मच नींबू का रस और पुदीने की 5-6 पत्तियों को मिलाकर पीस लें। अब इसे 10 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। उसके बाद इस पैक को चेहरे पर लगाएँ और कुछ देर बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें।

# चंदन एक फायदे अनेक

कीलमुंहासों के ठीक होने के बाद चेहरे पर किसी प्रकार के दागधब्बों को भी चंदन के लेप से साफ़ किया जा सकता है। चंदन का लेप केवल कीलमुंहासों को, ठीक नहीं करता बल्कि त्वचा को साफ़ कर नमी भी प्रदान करता है। 1 चम्मच चंदन पाउडर में आधा चम्मच पाउडर मिला कर पेस्ट बना कर चेहरे पर 20 मिनट लगाए रखने से केवल कीलमुंहासे कम नहीं हो, आप का चेहरा भी खिलाखिला प्रतीत होता है। बराबर मात्रा में चंदन पाउडर हलदी पाउडर मिला कर थोड़े दूध के साथ पेस्ट बनाएं, इस में चुटकी भर कपूर भी मिलाएं। इस लेप की चेहरे पर मालिश कर रात भर लगा रहने दें। इस से आप को ठंडक के एहसास के साथसाथ चेहरे के दागधब्बे दूर होने का फायदा भी मिलेगा।

## साइड इफैक्ट नहीं

चंदन का प्रयोग प्राचीन काल से चला आ रहा है। खासकर आयुर्वेद में चंदन का प्रयोग खूब किया गया है। किसी प्रकार का घाव, फोड़ेफुंसी, कटनाछिलना आदिसभी पर चंदन के लेप से आराम मिलता है। यह एक कीमती पेड़ है, जो दक्षिण भारत में ज्यादातर पाया जाता है। चंदन का उबटन शादी से पहले नववधू लगाती है ताकि उस के चेहरे और काया की चमक बनी रहे। यह एक प्राकृतिक पदार्थ है, इसलिए इस के नियमित प्रयोग से किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नहीं होता।

## इस की खूबियाँ

चंदन में कीटाणुनाशक विशेषता होने की वजह से यह हर्बल एंटीसेप्टिक है, इसलिए किसी भी प्रकार के छोटे घाव और खरोंच को ठीक करता है। यह जलने से हुए घाव को भी ठीक कर सकता है।

शरीर के किसी भाग पर खुजली होने पर चंदन पाउडर में हल्दी और एक चम्मच नीबू का रस मिला कर लगाने से खुजली तो दूर होगी ही, साथ में त्वचा की लालिमा भी कम होगी। चंदन का तेल सूखी त्वचा के लिए गुणकारी होता है। यह सूखी त्वचा को नमी प्रदान करता है।

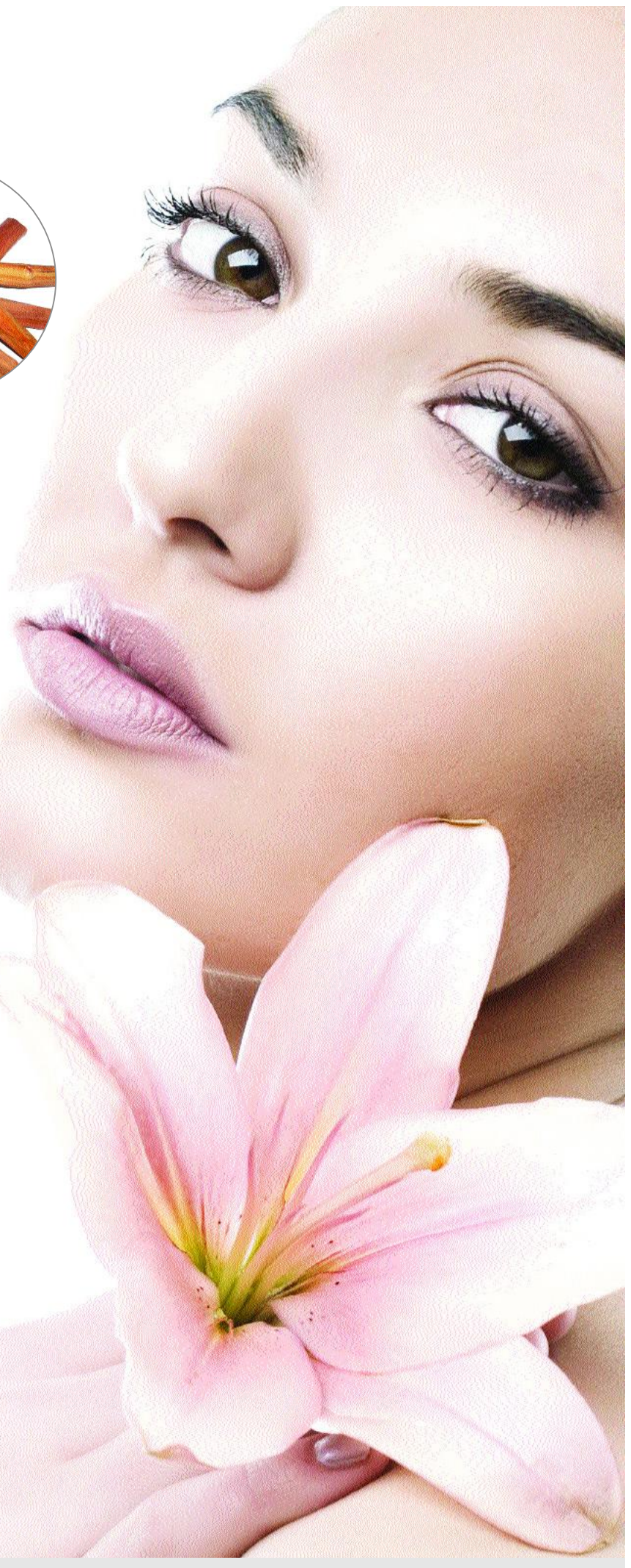

# पथरी से सावधान

पेशाब की पथरी पेशाब में उपस्थित लवणों व खनिजों के जमाव से बनते हैं। ये आमतौर पर मध्य आयु यानि की चालीस साल या उसके बाद पता लगने शुरू होते है। जब लवणों और खनिजों की परतें विभिन्न जगहों पर जमा होती जाती हैं तो इन पत्थरों का आकार बढ़ता जाता है। ये पत्थर आमतौर पर कैल्शियम के फास्फेट और ऑक्जेलेट होते हैं। ये सभी लवण और खनिज खाने की चीजो व पानी से शरीर में आए होते है। कुछ सब्जियाँ जैसे पालक, अरबी के पत्ते और टमाटरों में बहुत अधिक लवण होते हैं। जमीनी पानी में भी काफी सारे लवण होते हैं। कुएँ या बोरवेल का पानी यह भी पथरी बनने का कारण होता है। ये लवण धीरे-धीरे करके शरीर में जमा हो जाते हैं और पत्थर बना लेते हैं। पेशाब के पत्थर आकृति और आकार में अलग-अलग होते हैं। आमतौर पर ये उसी जगह का आकार ले लेते हैं जिसमें ये बनते हैं। इसलिए मूत्रवाहिनी के पत्थर लम्बे होते हैं और मूत्राशय में बने पत्थर गोल होते हैं। गुर्दे में बने पत्थर या तो कीप के आकार के होते हैं या अनियमित आकार के जैसे कि हिरण के सींग। फोस्फेट और कॉर्बोनेट के पत्थरों की सतह मुलायम होती है और ऑक्सेलेट के पत्थरों की खुरदुरी। इस कारण से ऑक्सेलेट के पत्थरों के कारण खून भी निकल सकता है। कुपोषित बच्चों के मूत्राशय में कभी कभी बड़े-बड़े पत्थर बन जाते हैं। ये कुपोषण के कारण शरीर के प्रोटीन के टूट जाने के कारण बनते है। जिसमें पेशाब में फालतू पदार्थ का जमाव हो जाता है। ये कण लवणों के और जमाव के लिए केन्द्रक के रूप में काम करते हैं। पत्थर नींबू समान बड़े भी हो सकते हैं।

## गुर्दे की कीप में पत्थर

गुर्दे की कीप में पत्थर कई सालों तक महसूस हुए बिना शरीर में पड़े रह सकते हैं। अक्सर उस व्यक्ति को पता लगने से कही पहले गुर्दे खराब हो चुके होते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि यह बीमारी काफी धीमी होती है और एक गुर्दे के खराब होने पर दूसरा उसका काम चला लेता है। कुछ मामलों में थोड़ी सी बेआरामी हो सकती है। यह गुर्दे के क्षेत्र तक ही सीमित होती है। और यह हल्का दर्द पीठ के तरफ ज्यादा महसूस होता है। कभी-कभी कीप के क्षेत्र में पेशाब के इकट्ठे हो जाने के कारण गुर्दे सूज भी जाते हैं। कभी-कभी ऐसा बड़ा गुर्दा एक गांठ जैसे की हाथ से ही महसूस हो जाता है। कभी-कभी यह समस्या गुर्दे में संक्रमण के रूप में सामने आती है। कभी-कभी गुर्दे की पेशियाँ पत्थर को कीप से नीचे मूत्रवाहिनी की और धकेलती है। ऐसे में एक खास तरह का तेज पेट दर्द नीचे की ओर जाता हुए महसूस होता है। यह दर्द लहरों के रूप में उठता है।

### दर्द

मूत्रवाहिनी शूल (दर्द) एक खास तरह का दर्द है जो इस तरह की पथरी से होता है। दर्द पेट में मूत्रतंत्र तक सीमित होता है। यह पेट की मध्यरेषा के दायें या बाएँ ओर होता है। रोगी दर्द से कराहता है। वो या तो उस क्षेत्र को दबाकर या फिर एक तरफ को लेटकर दर्द को दबाने की कोशिश करता है। दर्द मूत्रमार्ग की ओर बढ़ता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि मूत्रनलिका और मूत्रवाहिनी की तंत्रिकाओं की जुड़ी समान होती हैं।

## मूत्राशय में पथरी

पेशाब करना थोडा मुश्किल होता है। ये पत्थर मुख्यत: मूत्रवाहिनी से आते है। कभी-कभी सीधे मूत्राशय में भी पत्थर बन सकता है। कुपोषित बच्चों में ऐसा होता है। इसके लक्षणों में मुख्यत: मूत्राशय शोथ या पेशाब अटकना शामिल है। मूत्राशय शोथ में खास तरह की जलन, और ऐठन वाला दर्द, बुखार, पेशाब में गन्दलापन और बार-बार पेशाब करने की इच्छा होती है। मूत्राशय में हुए पत्थरों से कुछ रोगियों के पेशाब में रक्त स्त्राव दिखाई देता है। मूत्राशय के पत्थरों के कारण पेशाब रूकने की एक खास विशेषता है रोगी की स्थिति से इसका सम्बन्ध। जब रोगी खड़ा होता है या पेशाब करने के लिए बैठा होता है उस समय ये पत्थर मूत्राशय के निकास मुँह पर गेंद की तरह पड़ा रहता है रोगी जितना ज़्यादा जोर लगाता है उतना ही ज़्यादा रोक लगती है। परन्तु अगर रोगी लेटे लेटे पीठ के बल या करवट से पेशाब करने की कोशिश करे तो पत्थर मूत्राशय के निकास मुँह से लुढ़क जाता है। इससे पेशाब बाहर निकल सकती है। कभी-कभी छोटे पत्थर या कंकड़ बड़े पत्थरों के छोटे-छोटे टुकड़े मूत्रमार्ग में से निकल जाते हैं।

# मुल्तानी मिट्टी जरूर इस्तेमाल करें

अगर आप महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट, शैम्पू, ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करते हुए थक चुकी हैं, फिर भी आपको कोई फ़ायदा नहीं हुआ है तो एक बार मुल्तानी मिट्टी ज़रूर इस्तेमाल करके देखें। जानी-मानी सौन्दर्य विशेषज्ञ भारती तनेजा का कहना है कि मुल्तानी मिट्टी सौन्दर्य का ख़ज़ाना है। ये नेचुरल कंडीशनर भी है और ब्लीच भी। ये सौन्दर्य निखारने का सबसे सस्ता और आयुर्वेदिक नुस्खा है। साथ-ही मुल्तानी मिट्टी सभी फेस पैक का बेस होती है। चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी का लेप लगाने से रंगत निखरती है और बालों में लगाने से वे घने, मुलायम और काले हो जाते हैं। मुहांसों की समस्या से परेशान लोगों के लिए तो मुल्तानी मिट्टी सबसे कारगर इलाज है, क्योंकि मुल्तानी मिट्टी चेहरे का तेल सोख लेती है, जिससे मुहांसे सूख जाते हैं। तैलीय त्वचा के लिए मुल्तानी मिट्टी में दही और पुदीने की पत्तियों का पाउडर मिला कर उसे आधे घंटे तक रखा रहने दें, फिर अच्छे से मिला कर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। सूखने पर हल्के गर्म पानी से धो दें। ये तैलीय त्वचा को चिकनाई रहित रखने का कारगर नुस्खा है। एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी पाउडर में एक अंडे का सफेद भाग और पुदीने की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बना लें। ये पैक हफ्ते में तीन बार लगाएं।

# 'रेस 4' में साथ काम करेंगे सैफ और सिद्धार्थ

**नई दिल्ली।** रेस 4 के लेखक शिराज अहमद ने हाल ही में पुष्टि की कि सैफ अली खान और सिद्धार्थ मल्होत्रा एक्शन थ्रिलर में एक साथ नजर आएंगे और फिल्म के बारे में अन्य जानकारी भी साझा की है। लोकप्रिय 'रेस' फ्रेंचाइजी की आगामी चौथी किस्त का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म के लेखक शिराज अहमद ने रेस 4 के बारे में कुछ दिलचस्प बातें बताईं। उन्होंने बताया कि फिल्म में पहली दो फिल्मों की कहानी को जारी रखा जाएगा और इसकी शूटिंग जनवरी 2025 में शुरू होगी। इस फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी द्वारा किया जाएगा।

## लाइफ Style

# अन्नया

## सारा-जान्हवी से है गहरी दोस्ती

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे कभी अपनी फिल्म-वेब सीरीज को लेकर तो कभी अपने ब्रेकअप्स और अफेयर की अफवाहों को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अनन्या ने अपनी दोस्त सारा अली खान और जान्हवी कपूर के बारे में खुलकर बात की और बताया कि किस तरह से वे एक-दूसरे का साथ देती हैं।

अनन्या पांडे बॉलीवुड अभिनेता चंकी पांडे की बेटी हैं। 2019 में अनन्या ने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 और कॉमेडी पति पत्नी और वो में प्रमुख भूमिकाओं के साथ अभिनय किया और सभी का दिल जीता। अनन्या अक्सर अपने ब्रेकप्स और नए अफेयर की अफवाहों से लाइमलाइट में बनी रहती हैं। कॉल मी बे से ओटीटी पर अपनी पहली वेब सीरीज से अनन्या पांडे ने खूब सुर्खियां बटोरी। इसी सीरीज के एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या ने अपनी बॉलीवुड सहेलियों के बारे में खास बातें कीं और उनके साथ उनके साथ अपनी गहरी दोस्ती के बारे में भी कई बातों का खुलासा किया। अनन्या ने कहा, 'कई पार ऐसी परिस्थिति आ जाती है कि महिलाओं को एक-दूसरे के खिलाफ, अभिनेत्रियों को अभिनेत्रियों के खिलाफ खड़ा करते रहते हैं, लेकिन सारा अली खान, जान्हवी कपूर, हम लगातार एक-दूसरे के लिए मौजूद रहने और एक-दूसरे का सार्वजनिक रूप से समर्थन करने की कोशिश करते हैं, ताकि हम लोगों को दिखा सकें कि महिलाओं की दोस्ती ऐसी ही होनी चाहिए, किसी और तरह पर विश्वास न करें।' अनन्या पांडे को आखिरी बार वेब सीरीज कॉल मी बे में देखा गया था। कॉल मी बे एक भारतीय हिंदी भाषा की कॉमेडी ड्रामा टेलीविजन सीरीज है, जिसे इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर और रोहित नायर ने लिखा है, जिसे कॉलिन डी'कुन्हा ने निर्देशित किया है।

## हॉलीवुड मसाला

### नवंबर में रिलीज होगी 'इयूनः प्रोफेसी'

लॉस एंजिल्स। वेब सीरीज 'इयूनः प्रोफेसी' की रिलीज को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। इस बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज को नवंबर में रिलीज किया जाएगा। भारतीय दर्शक इस सीरीज को जियो सिनेमा पर स्ट्रीम कर सकेंगे। इसकी जानकारी खुद जियो सिनेमा की ओर से दी गई है। सीरीज को जियो सिनेमा प्रीमियम पर देखा जा सकेगा। जुलाई में जब 'इयूनः प्रोफेसी' का दूसरा टीजर ट्रेलर आया था तो दर्शकों ने इसे पसंद किया था।

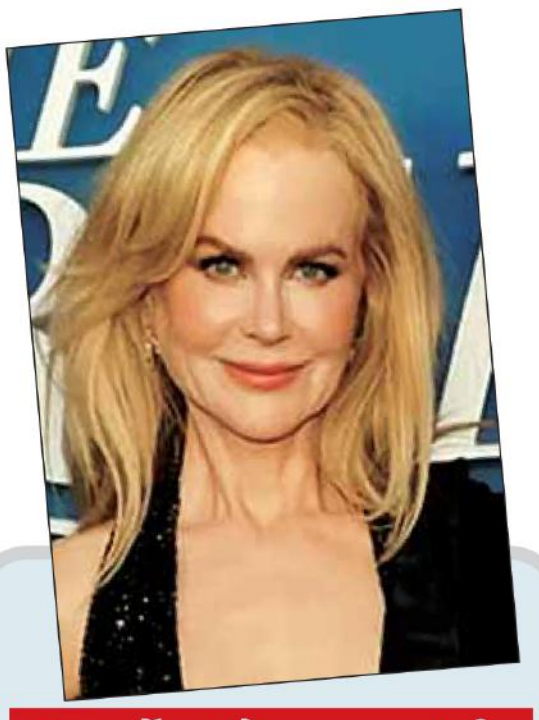

### 'स्कार्पेटा' में नजर आएंगी निकोल किडमैन-जेमी ली कर्टिस

लॉस एंजिल्स। लेखिका पेट्रीसिया कॉर्नवेल के सबसे अधिक बिकने वाले अपराध उपन्यास 'स्कार्पेटा' को सीरीज में तब्दील किया जा रहा है। इसमें हॉलीवुड स्टार्स निकोल किडमैन और जेमी ली कर्टिस अपने अभिनय का जलवा बिखेरती नजर आएंगी। जानकारी के अनुसार, किडमैन 'स्कार्पेटा' का शीर्षक किरदार निभाएंगी। कर्टिस उनकी बहन डोरोथी की भूमिका में होंगी। प्रशंसित निर्देशक डेविड गॉर्डन ग्रीन दो सीजन के पहले दो एपिसोड का निर्देशन करेंगे। 'स्कार्पेटा' में निकोल किडमैन और जेमी ली कर्टिस के अलावा बॉबी कैनावले, साइमन बेकर, एरियाना डेबोस, रोजी मैकवेन और जेक कैनावले शामिल हैं। किडमैन और कर्टिस दोनों कार्यकारी निर्माता के रूप में जुड़ी हुई हैं। निकोल किडमैन को हाल ही में नेटफ्लिक्स पर मिस्ट्री सीरीज 'द परफेक्ट कपल' में देखा गया था।

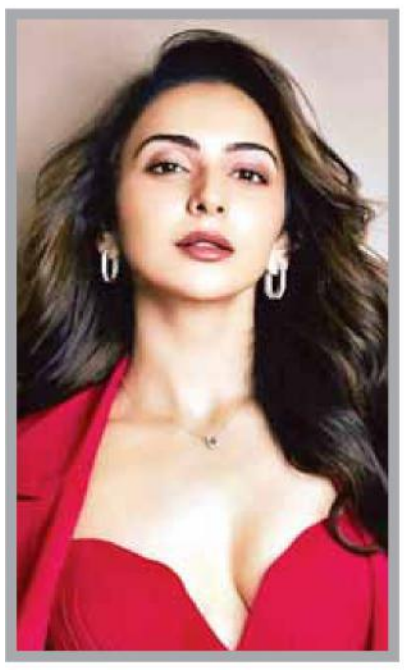

# पंजाब के खेतों में डीडीएलजे मूमेंट मिस नहीं कर सकते

**नई दिल्ली।** बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह एक बार फिर चर्चा में हैं। अभिनेत्री की अजय देवगन के साथ फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' का इंतजार प्रशंसक कर रहे हैं। इस फिल्म के एक हिस्से की शूटिंग मुंबई में पूरी हो चुकी है। इसके अगले हिस्से की शूटिंग पंजाब में हो रही है। इस दौरान अपने कुछ मस्ती भरे पलों की फोटो रकुल प्रीत सिंह ने शेयर की है। इस फोटो में रकुल प्रीत सिंह ने अपना डीडीएलजे मूमेंट शेयर किया है। इस पोस्ट पर उन्होंने लिखा,' मैं अपने डीडीएलजे मूमेंट को पंजाब के खेतों में जीने से नहीं चूकी'। इस पोस्ट पर प्रशंसकों की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। एक प्रशंसक ने लिखा, 'आपके पोस्ट ने मेरा दिन बना दिया'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'वाह, आपकी फोटो बहुत ही सुंदर है'। एक अन्य ने लिखा, 'बहुत सुंदर और बेहद क्यूट'। वहीं, एक अन्य प्रशंसक ने टिप्पणी की, 'सुंदर दृश्य।'

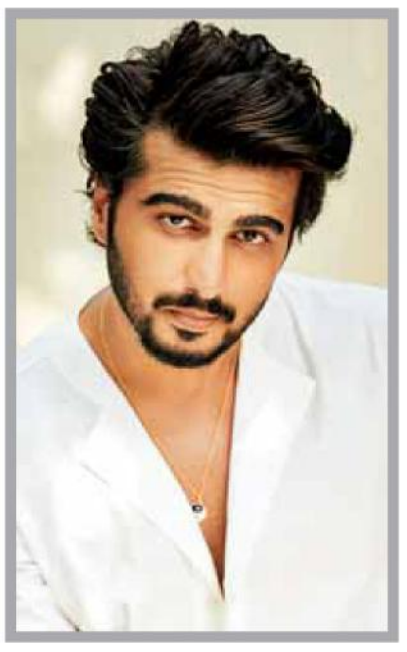

# 'द नाइट मैनेजर' के एमी नॉमिनेशन से हैं खुश

**मुंबई।** अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपने चाचा अनिल कपूर की ड्रामा सीरीज 'द नाइट मैनेजर' के एमी अवॉर्ड में नामांकित होने पर प्रतिक्रिया दी है। अर्जुन कपूर ने इस नॉमिनेशन को बिल्कुल सही और योग्य बताया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर अर्जुन कपूर ने अपने चाचा अनिल कपूर को बधाई भी दी है। इस पोस्ट को आदित्य रॉय कपूर ने रिशेयर किया है। साथ ही उन्होंने भी इस पर खास तरीके से कमेंट किया है। अभिनेता अर्जुन कपूर ने सोशल मीडिया पर स्टोरी पोस्ट की है। इसमें उन्होंने ड्रामा सीरीज 'द नाइट मैनेजर' की स्टार कास्ट यानी अनिल कपूर, आदित्य रॉय कपूर और शोभिता धुलिपाला के साथ और सीरीज क्रिएटर संदीप मोदी सहित टीम को टैग कर तालियां बजाती हुई इमोजी भी लगाई है। साथ ही अर्जुन ने इस सीरीज को नॉमिनेशन के लिए योग्य बताया है।

## टीवी मसाला

### 'मोनालिसा' से जुड़े सवाल पर अटके ऑडियंस पोल के चक्कर में भटके

**नई दिल्ली।** 'कौन बनेगा करोड़पति 16' का खेल जारी है। इसके हालिया एपिसोड में दिल्ली के 19 वर्षीय प्रतियोगी सानिध्य गुप्ता भी करोड़पति बनने का सपना लेकर शो में आए थे, लेकिन वह महज दस हजार रुपए ही जीत पाए। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अमिताभ बच्चन द्वारा मोनालिसा पर एक सवाल पूछे जाने पर उन्होंने लाइफ लाइन ले ली और फिर जो हुआ उसके बारे में सानिध्य ने सोचा ही नहीं था। दरअसल, इस एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने प्रतियोगी सानिध्य गुप्ता के सामने 10,000 रुपए के लिए इतिहास से जुड़ा एक सवाल रखा। सवाल था कि 'लियोनार्डो डी विंची ने मोनालिसा को किस सतह पर चित्रित किया? विकल्प के रूप में लकड़ी, कागज, कैनवास और कांस्य मिला। इस सवाल का उत्तर ना मालूम होने पर प्रतियोगी सानिध्य ने लाइफलाइन लेने का अनुरोध किया और फिर दर्शकों से मतदान कराया। रिपोर्ट्स के मुताबिक लाइफ लाइन का उपयोग करने के बाद उन्होंने तीसरा विकल्प 'कैनवास' को चुना। इस विकल्प के लिए मतदान दर 66 प्रतिशत थी। हालांकि, सानिध्य को झटका तब लगा जब 'केबीसी 16' के होस्ट अमिताभ ने फिर कहा, 'सर उत्तर गलत हो गया है। सही उत्तर है लकड़ी। मोनालिसा को 16वीं शताब्दी के शुरू में लकड़ी पर चित्रित किया गया था।

### कश्मीरा-कृष्णा ने काशी विश्वनाथ में गुपचुप रचाई थी शादी, सालों बाद खोला राज

**नई दिल्ली।** एक्ट्रेस कश्मीरा शाह और एक्टर कृष्णा अभिषेक पिछले 18 सालों से एक-दूसरे के साथ हैं। इन दिनों दोनों को कलर्स के शो लाफ्टर शेफ्स में देखा जा रहा है। कश्मीरा और कृष्णा की जोड़ी को टीवी इंडस्ट्री की सबसे क्यूट जोड़ी माना जाता है। अब एक पॉडकास्ट में कश्मीरा शाह और कृष्णा ने अपनी लव स्टोरी और रिश्ते को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि कैसे सबसे छुपकर उन दोनों ने बनारस में शादी रचाई थी। कश्मीरा ने बताया कि आजतक उन्होंने यह राज किसी के सामने नहीं खोला है। भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह मेहमान बनकर पहुंचे। बातचीत के दौरान कृष्णा और कश्मीरा ने अपनी लव स्टोरी के बारे में बताया। दोनों ने अपनी पहली मुलाकात से लेकर दोस्ती और प्यार में होने तक की कहानी साझा की। कश्मीरा ने बताया कि यह बात कोई नहीं जानता लेकिन उन्होंने बनारस के काशी विश्वनाथ मंदिर में शादी रचाई थी।

# ये है बॉलीवुड की सुपर-डुपरहिट फिल्म, 23 करोड़ में बनी और कमाए 220 करोड़ रुपए

**मुंबई।** साल 2018 की बात है। सिनेमाघरों में एक फिल्म रिलीज हुई थी जिसमें टैबू टॉपिक (ऐसा टॉपिक जिसपर लोग खुलकर बात नहीं करते हैं) पर बात की गई थी। इस फिल्म को क्रिटिक्स के पॉजिटिव रिव्यूज मिले थे, जिसका नतीजा ये हुआ कि इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म ने ओपनिंग डे पर 7.35 करोड़ रुपए की कमाई कर डाली थी। देखते-देखते ये फिल्म हिट होते चली गई और 23 करोड़ के बजट में बनी इन फिल्म ने 220 करोड़ रुपए की कमाई कर डाली।

### फिल्म का नाम

इस फिल्म का नाम 'बधाई हो' है। इस फिल्म में नीना गुप्ता, आयुष्मान खुराना, गजराज राव, सुरेखा सीकरी और सान्या मल्होत्रा ने मुख्य भूमिका निभाई है। आप ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देख सकते हैं।

### बन चुके हैं इस फिल्म के पांच रीमेक

जब हिंदी बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म सुपर-डुपर हिट साबित हुई तब बोनी कपूर ने इस फिल्म का तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रीमेक बनाया। इतना ही नहीं, इस फिल्म को फाल्कन पिक्चर्स ने इंडोनेशियाई में केलुआर्गा स्लेमेट नाम से भी रीमेक बनाया था।

### फिल्म का सीक्वल

बधाई हो'के रिलीज होने के चार साल बाद इस फिल्म का सीक्वल 'बधाई दो' आया। हालांकि, 20 करोड़ रुपए के बजट में बनी 'बधाई दो' वर्ल्डवाइड सिर्फ 28.15 करोड़ रुपए की कमाई कर पाई।

# 'किस जीनियस ने तय किया कि 'आंटी' अपमानजनक शब्द है'

**नई दिल्ली।** दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान, जब से इंस्टाग्राम पर आई हैं, तब से लगातार अलग-अलग विषयों पर अपने विचार साझा करती रहती हैं। कभी-कभी वो अपने फिल्मी करियर से जुड़े पुराने और दिलचस्प किस्से भी शेयर करती हैं। इस बार उन्होंने आंटी शब्द को लेकर अपने विचार सामने रखे हैं। उन्होंने आंटी शब्द को अपमानजनक कहने को लेकर खुलकर बात की।

### बड़ी उम्र की महिलाओं के बिना हम कहां होते

जीनत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक फोटो शेयर की, जिसमें उनकी स्वेटशर्ट पर 'आंटी' लिखा हुआ था। अपनी पोस्ट से साथ जीनत ने एक लंबा कैप्शन लिखा। उन्होंने लिखा कि किस जीनियस ने तय किया है कि 'आंटी' एक अपमानजनक शब्द है? निश्चित रूप से मैंने तो नहीं किया। वे बड़ी उम्र की महिलाएं, जो सब जगहों पर हैं और हमारे जीवन को आरामदायक और सुरक्षित बनाती हैं, उनके बिना हम कहां होते।

### भारतीय आंटी हर जगह

जीनत ने आगे लिखा कि भारतीय आंटी हर जगह हैं। वो आपको सहारा देने के लिए एक कंधा देती हैं, आपकी परेशानी को सुनने के लिए एक कान, गर्म खाना, एक स्वागत योग्य घर, एक जायज फटकार और ज्ञान का एक मोती देती हैं। उन्होंने लिखा कि जब आप आंटी शब्द को सुनते हैं, तो आप एक चिड़चिड़ी सी महिला के बारे में सोच सकते हैं या फिर आप अपने जिंदगी में बड़ी उम्र की महिलाओं के बारे में सोच सकते हैं।

### मैं आंटी हूं और मुझे इस पर गर्व है

जीनत ने लिखा कि मैं एक आंटी हूं और मुझे इस पर गर्व है। यह एक ऐसा टैग है, जिसे मैं खुशी से पहनना चाहूंगी। उन्होंने बताया कि उनके जीवन में उनकी सौतेली मां शमीम आंटी थीं, जो उनके (जीनत के) बेटों के छोटे होने पर उनका काफी ख्याल रखती थीं। वो खाना बनाती थीं और बच्चों की देखभाल भी करती थीं। जीनत ने इतना लिखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स से पूछा कि अब आप मुझे अपने जीवन में असाधारण आंटी या आंटियों के बारे में बताइए।

## देश के बंटवारे के बाद चली गईं पाकिस्तान, फिर भी दोनों की दोस्ती में नहीं आई आंच

# वो एक्ट्रेस जिनकी खुद लता मंगेशकर भी बन गईं थीं दीवानी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'जवां है मोहब्बत, हसीं है जमाना, लुटाया है दिल ने खुशी का खजाना', ये गाना है फिल्म अनमोल घड़ी का और इस गीत को आवाज दी थी मल्लिका-ए-तरन्नुम नूरजहां ने। उनकी आवाज का जादू ऐसा था कि जो भी उन्हें सुनता, वह उनकी आवाज में खो जाता। कई दशक तक उन्होंने अपनी जादुई आवाज से लोगों के दिलों पर राज किया। नूरजहां की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि 'भारत रत्न' स्वर कोकिला भी उनकी बहुत बड़ी फैन थीं। जब लता मंगेशकर ने फिल्मों में गाना शुरू किया था तो वह नूरजहां से प्रभावित थीं। वह दोनों बहुत ही कम समय में बहुत अच्छी दोस्त बन गई थीं, लेकिन देश के बंटवारे के बाद नूरजहां पाकिस्तान चली गईं और लता मंगेशकर भारत में ही रहीं। हालांकि, बंटवारे की आंच उनकी दोस्ती पर नहीं आई।



### एक्टिंग में भी आजमाया हाथ

*नूरजहां ने संगीत की शुरुआती शिक्षा कज्जनबाई से ली, लेकिन बाद में उन्होंने शास्त्रीय संगीत की शिक्षा उस्ताद गुलाम मोहम्मद और उस्ताद बड़े गुलाम अली खां से ली। इस दौरान उन्होंने बचपन में ही सिंगिंग के अलावा एक्टिंग में भी हाथ आजमाया। बाल कलाकार के तौर पर साल 1930 में रिलीज हुई फिल्म 'हिन्द के तारे' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। तब तक उनका नाम अल्लाह रखी वसाई था। हालांकि, गायिका मुख्तार बेगम ने उन्होंने नूरजहां नाम दिया।*

### छह साल की उम्र से शुरू किया गाना

*21 सितंबर 1926 को पंजाब के कसुर में पैदा हुईं नूरजहां के बचपन का नाम अल्लाह राखी वसाई था। नूरजहां के माता पिता थिएटर में काम करते थे और उनका संगीत की ओर भी झुकाव था। घर का माहौल संगीतमय था और इसका प्रभाव उन पर भी पड़ा। जब वह छह साल की थीं तो उन्होंने गाना गाना शुरू कर दिया, उनके इस शौक से परिवार वाले भी प्रभावित हुए और उन्होंने नूरजहां को घर में संगीत की शिक्षा देने की व्यवस्था की।*

### हार्ट अटैक से हुआ निधन

*इस बीच उन्होंने गायकी को जारी रखा। नूरजहां को सर्वश्रेष्ठ महिला गायिका के लिए 15 से अधिक निगार पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ उर्दू गायिका के लिए आठ और पंजाबी पार्श्व गायिका के लिए कई अवॉर्ड से नवाजा गया। उनकी दिलकश आवाज के चलते उन्हें मल्लिका-ए-तरन्नुम की उपाधि दी गई। मल्लिका-ए-तरन्नुम ने 23 दिसंबर 2000 को हार्ट अटैक के कारण दुनिया को अलविदा कह दिया। उस समय वह 74 साल की थीं।*

### फिल्म निर्देशक से की शादी

1937 आते-आते नूरजहां का परिवार लाहौर शिफ्ट हो गया। नूरजहां ने 'गुल-ए-बकवाली' फिल्म में अभिनय किया और ये सुपरहिट साबित हुई और इसके गीत भी बहुत लोकप्रिय हुए। इसके बाद उन्होंने 'यमला जट' (1940), 'चौधरी' जैसी फिल्में की। इनके गाने 'कचियां वे कलियां ना तोड़' और 'बस बस वे ढोलना कि तेरे नाल बोलना' लोगों की जुबान पर चढ़ गए। साल 1942 में उनकी फिल्म 'खानदान' आई, जिसमें पहली बार उन्होंने लोगों का ध्यान खींचा। इसी फिल्म के निर्देशक शौकत हुसैन रिजवी के साथ बाद में उन्होंने शादी कर ली, लेकिन 1953 में दोनों अलग हो गए। नूरजहां ने दूसरी शादी एजाज दुर्रानी से की थी, जो कुछ सालों बाद टूट गई।

### दिलीप कुमार ने की रोकने की कोशिश

भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के बाद नूरजहां हमेशा के लिए पाकिस्तान चली गईं। फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार ने नूरजहां से भारत में ही रहने की पेशकश की थी, मगर उन्होंने यहां रुकने से मना कर दिया और कहा, 'मैं जहां पैदा हुई हूं, वहीं जाऊंगी'। हालांकि, वह पाकिस्तान जाने के बाद भी भारतीय फिल्मों के लिए गाने गाती रहीं। भारत में रहते हुए नूरजहां ने 'खानदान', 'जुगनू', 'दुहाई', 'नौकर', 'दोस्त', 'बड़ी मां' और 'विलेज गर्ल' में काम किया। बतौर अभिनेत्री नूरजहां की आखिरी फिल्म 'बाजी' थी, जो 1963 में रिलीज हुई थी। उन्होंने पाकिस्तान में रहकर 14 फिल्में बनाई थी।

## खबर संक्षेप

### सेकी की एक-दो साल में आईपीओ लाने की योजना

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) अगले एक या दो साल में धन जुटाने के लिए सार्वजनिक निर्गम लाएगी। देश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाना है। 500 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम किया जा रहा है और यह हासिल किया जाएगा। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

### रिलायंस इंफ्रा में प्रवर्तक 1,100 करोड़ करेंगे निवेश

**नयी दिल्ली।** उद्योगपति अनिल अंबानी की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को प्रवर्तकों से 1,100 करोड़ रुपये और मुंबई की दो निवेश कंपनियों से 1,910 करोड़ रुपये का निवेश मिलने वाला है। कंपनी के निदेशक मंडल ने बृहस्पतिवार को 6,000 करोड़ रुपये की निधि जुटाने की योजना को मंजूरी दी। इसमें से 3,014 करोड़ रुपये शेयर के तरजीही आवंटन और 3,000 करोड़ रुपये संस्थागत खरीदारों को शेयर जारी करके जुटाए जाएंगे।

### ईक्यूटी करेगी इंडोस्टार होम फाइनेंस का अधिग्रहण

**नई दिल्ली।** निजी इक्विटी कंपनी ईक्यूटी ने इंडोस्टार कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंडोस्टार होम फाइनेंस में 1,750 करोड़ रुपये में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने पर सहमति व्यक्त की है। शुक्रवार को जारी संयुक्त बयान में कहा गया, स्वीडन स्थित कंपनी ने घोषणा की है कि बीपीईए मिड-मार्केट ग्रोथ पार्टनरशिप विनियामक अनुमोदन के अधीन इंडोस्टार होम फाइनेंस का अधिग्रहण करेगी।

### कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति अगस्त में घटी

**नई दिल्ली।** कृषि श्रमिकों और ग्रामीण मजदूरों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति अगस्त में घटकर क्रमशः 5.96 प्रतिशत और 6.08 प्रतिशत रह गई। इस साल जुलाई में यह क्रमशः 6.17 प्रतिशत और 6.20 प्रतिशत थी। कृषि मजदूरों (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण मजदूरों (सीपीआई-आरएल) के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में अगस्त, 2024 में सात-सात अंक की वृद्धि दर्ज की गई और यह क्रमशः 1297 और 1309 के स्तर पर पहुंच गए।

### बीएल एग्रो का डेयरी क्षेत्र के लिए डेलावल से करार

**नई दिल्ली।** बीएल एग्रो की इकाई बीएल कामधेनु फार्म्स लिमिटेड ने डेयरी क्षेत्र में लगभग 1,500 करोड़ रुपये के निवेश के साथ साझेदारी के लिए स्वीडन की डेलावल के साथ एक शुरूआती समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 के दूसरे दिन, बीएल कामधेनु फार्म्स ने स्वीडन की डेलावल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के मौके पर स्वीडन के राजदूत जान थेस्लेफ मौजूद थे।

# कर्ज आवेदनों में लोगों का आय को बढ़ा-चढ़ाकर बताना सामान्य

एजेंसी ▶▶ मुंबई

देश में पांच में से तीन उपभोक्ताओं का मानना है कि कर्ज के लिए आवेदनों में आय को बढ़ा-चढ़ाकर बताना सामान्य बात है। वित्तीय धोखाधड़ी को लेकर लोगों की राय जानने के लिए किए गए एक सर्वेक्षण की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। वैश्विक विश्लेषण सॉफ्टवेयर कंपनी एफआईसीओ के एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि एक चौथाई से अधिक (27 प्रतिशत) भारतीयों का मानना है कि लोगों द्वारा आवास ऋण या अन्य कर्ज के आवेदनों में जानबूझकर अपनी आय को गलत तरीके से प्रस्तुत करना सामान्य बात है।

**वैश्विक साफ्टवेयर कंपनी एफआईसीओ की सर्वेक्षण रिपोर्ट**

### देश के 63 फीसदी लोगों का मानना आय बढ़ा-चढ़ाकर बताना सामान्य

*कई आय को बढ़ा-चढ़ाकर बताया सही मानते हैं कई भारतीय व्यक्तिगत ऋण आवेदनों में आय को बढ़ा-चढ़ाकर बताना ठीक मानते हैं, जिससे वित्तीय ईमानदारी और भी जटिल हो जाती है। केवल एक तिहाई (33 प्रतिशत) उपभोक्ताओं का मानना है कि व्यक्तिगत कर्ज आवेदन में आय को बढ़ा-चढ़ाकर बताना कभी भी स्वीकार्य नहीं है, जबकि एक तिहाई (35 प्रतिशत) इसे विशिष्ट परिस्थितियों में स्वीकार्य मानते हैं।*

### बैंकों को झूठे ऋणों की वास्तविकता से सामना करना पड़ रहा

*एफआईसीओ में जोखिम जीवनचक्र और निर्णय प्रबंधन के लिए एशिया प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख आशीष शर्मा ने कहा, "साठ प्रतिशत से अधिक भारतीय उपभोक्ता आय को गलत बनाने को स्वीकार्य या उचित मानते हैं।*

### सर्वे में अन्य देशों के उपभोक्ता भी शामिल

*सर्वेक्षण में लगभग 1,000 भारतीय वयस्कों के साथ-साथ कनाडा, अमेरिका, ब्राजील, कोलंबिया, मेक्सिको, फिलीपीन, इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रिटेन और स्पेन के लगभग 12,000 अन्य उपभोक्ताओं को शामिल किया गया। वैश्विक स्तर पर दृष्टिकोण उल्लेखनीय रूप से भिन्न हैं।*

### केवल सात में एक इसे सामान्य मानते हैं

सर्वेक्षण से पता चलता है कि अधिकांश उपभोक्ता (56 प्रतिशत) ऋण आवेदनों पर आय को बढ़ा-चढ़ाकर बताने के विचार को दृढ़ता से अस्वीकार करते हैं, इसे कभी भी इसे स्वीकार नहीं करते। रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल चार में से एक (24 प्रतिशत) इसे कुछ परिस्थितियों में स्वीकार्य मानते हैं और केवल सात में से एक (15 प्रतिशत) इसे एक सामान्य मानते हैं।

### बीमा दावों में गड़बड़ी करना सामान्य बात

*रिपोर्ट के अनुसार, "पांच में से तीन उपभोक्ता (63 प्रतिशत) मानते हैं कि कर्ज के लिए आवेदनों में अपनी आय को बढ़ा-चढ़ाकर बताना ठीक या सामान्य बात है, जो वैश्विक औसत 39 प्रतिशत से काफी अधिक है।" भारत में 1,000 लोगों पर किए गए वैश्विक सर्वेक्षण में कहा गया है कि आधे से ज्यादा (54 प्रतिशत) लोगों का मानना है कि बीमा दावों में गड़बडी करना सामान्य बात है।*

## सेंसेक्स 1359 अंक उछलकर 84,544 अंक पर बंद

# रिकॉर्ड ऊंचाई पर शेयर बाजार, सेंसेक्स 84,000 के ऊपर, निफ्टी का नया मुकाम

एजेंसी ▶▶ मुंबई

वैश्विक बाजारों में तेजी के रुझान के बीच अग्रणी बैंकों के शेयरों में खरीदारी आने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार अपने उच्चतम स्तर पर बंद हुए। सेंसेक्स पहली बार ऐतिहासिक 84,000 अंक से ऊपर बंद हुआ जबकि निफ्टी ने भी नया रिकॉर्ड स्तर हासिल किया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,359.51 अंक यानी 1.63 प्रतिशत उछलकर 84,544.31 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,509.66 अंक बढ़कर 84,694.46 के नए शिखर पर पहुंच गया था।

- निफ्टी 315 अंक बढ़कर 25,791 अंक पर हुआ बंद

### निफ्टी सर्वकालिक उच्च स्तर पर

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी 375.15 अंक यानी 1.48 प्रतिशत बढ़कर 25,790.95 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 433.45 अंक उछलकर 25,849.25 के सर्वकालिक उच्च स्तर तक भी गया।

**खास बातें**

- निवेशकों की संपत्ति 6.24 लाख करोड़ रुपए बढ़ी
- अग्रणी बैंकिंग शेयरों में खरीदारी से बाजार में आई तेजी

### उदार मौद्रिक रुख ने बाजार को दी रफ्तार

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "फेडरल रिजर्व की तरफ से नीतिगत दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती और अत्यधिक उदार मौद्रिक रुख ने भारतीय बाजार को रफ्तार दे दी है।" नायर ने कहा कि इस घटनाक्रम से घरेलू अर्थव्यवस्था में सकारात्मकता आने की उम्मीद है और अल्पकाल से मध्यम अवधि में विदेशी निवेश में भी वृद्धि होगी।

### फेड की कटौती से बाजार में उत्साह

कैपिटलमाइंड रिसर्च में वरिष्ठ शोध विश्लेषक कृष्णा अप्पाला ने कहा, /"भारतीय बाजार फेडरल रिजर्व की दर कटौती से उत्साहित होकर अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए। वैश्विक बाजारों के लिए दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती एक सकारात्मक अचरज जैसी रही।

### रियल्टी खंड के सूचकांक में सर्वाधिक तेजी

*क्षेत्रवार सूचकांकों में रियल्टी खंड में सर्वाधिक 3.21 प्रतिशत और पूंजीगत उत्पाद खंड में 2.32 प्रतिशत की तेजी देखी गई। वाहन खंड में 2.12 प्रतिशत और औद्योगिक खंड में भी 2.08 प्रतिशत की बढ़त रही। साप्ताहिक आधार पर बीएसई सेंसेक्स ने कुल 1,653.37 अंक और एनएसई निफ्टी ने 434.45 अंक की तेजी हासिल की।*

### एशियाई बाजार में रही तेजी

*एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के शेयर बाजारों में गिरावट का रुख देखने को मिला। फेडरल रिजर्व के फैसले से उत्साहित अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को खासी तेजी के साथ बंद हुए थे।*

### सर्वाधिक लाभ महिंद्रा एंड महिंद्रा में

*सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सर्वाधिक पांच प्रतिशत की छलांग लगाई। इसके अलावा जेएसडब्ल्यू स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल, नेस्ले, अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, मारुति, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा स्टील के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए।*

# सरकार ने खाद्य तेल कंपनियों से बढ़ती कीमतों पर स्पष्टीकरण मांगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरकार ने शुक्रवार को खाद्य तेल कंपनियों से खाद्य तेलों की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी के लिए स्पष्टीकरण मांगा। इन तेल कंपनियों को कम आयात शुल्क पर आयातित खाद्यतेलों की पर्याप्त स्टॉक की उपलब्धता के बीच मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने की सलाह दी गयी थी। इसके बावजूद कीमतों में वृद्धि का रुख है। केंद्र ने 14 सितंबर को, घरेलू तिलहन कीमतों का समर्थन करने के लिए विभिन्न खाद्य तेलों के मूल सीमा शुल्क में वृद्धि की और इसके बाद 17 सितंबर को खाद्य मंत्रालय ने यह सुनिश्चित करने के लिए खाद्य तेल उद्योग निकायों के साथ एक बैठक बुलाई कि खुदरा कीमतों में कोई वृद्धि न हो। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, ''उद्योग से स्पष्टीकरण देने और कारण बताने के लिए कहा गया है कि आने वाले त्योहारों के दौरान खुदरा कीमतों को नरम बनाए रखने के सरकार के निर्देशों के बावजूद आयात शुल्क वृद्धि की घोषणा के बाद से कीमतों में बढ़ोतरी का रुख क्यों दिख रहा है।''मंत्रालय का कहना है कि कम शुल्क पर आयातित स्टॉक आसानी से 45-50 दिनों तक चल सकता है और इसलिए प्रसंस्करणकर्ताओं को अधिकतम खुदरा कीमतों में वृद्धि से बचना चाहिए।

- पर्याप्त स्टॉक के उपलब्धता के बीच मूल्य स्थिरता बनाने की सलाह दी थी

### आयातित स्टॉक की उपलब्धता तक कीमत नरम रखे

एक सरकारी बयान में कहा गया था, ''प्रमुख खाद्य तेल संघों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि शून्य प्रतिशत और 12.5 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) पर आयातित खाद्य तेल स्टॉक की उपलब्धता तक तेल की कीमत नरम रखी जाए और अपने सदस्यों के साथ इस मुद्दे को तुरंत उठाया जाए।''

# त्वरित सेवा देने वाली वाणिज्यिक इकाइयों के खिलाफ शिकायत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले उद्योग संवर्द्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) में त्वरित सामान पहुंचाने वाली वाणिज्य इकाइयों के खिलाफ कथित अनुचित कारोबारी गतिविधियों की शिकायत भेजी है। सूत्रों ने बताया कि यह शिकायत अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्पाद वितरक महासंघ (एआईसीपीडीएफ) ने की है। तेजी से सामान पहुंचाने वाली वाणिज्यिक इकाइयां वे जो आमतौर पर 10 से 30 मिनट के भीतर सामान आपूर्ति करती हैं। बाजार में सभी क्षेत्रों में निष्पक्ष व्यापार गतिविधियों को सुनिश्चित करने के लिए काम करने वाला सीसीआई पहले से ही ई-कॉमर्स कंपनियों के कथित प्रतिस्पर्धा-विरोधी तरीकों की जांच कर रहा है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि डीपीआईआईटी ने त्वरित वाणिज्य सेवा प्रदाता कंपनियों के खिलाफ की गई शिकायत को सीसीआई को भेज दिया है। फिलहाल, सीसीआई ने इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है। शिकायत पर टिप्पणी के लिए संपर्क किए जाने पर एआईसीपीडीएफ के अध्यक्ष दर्शिल पाटिल ने कहा कि उन्हें पता चला है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को लिखे उनके पत्र को डीपीआईआईटी ने सीसीआई को भेज दिया है।

- डीपीआईआईटी ने प्रतिस्पर्धा आयोग को शिकायत भेजी

### सीसीआई से जांच की मांग

पाटिल ने बताया कि महासंघ ने प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों में कथित रूप से संलिप्त होने के लिए त्वरित सेवा प्रदाता कंपनियों के खिलाफ सीसीआई में औपचारिक शिकायत दर्ज कराने तथा उनकी गतिविधियों की जांच की मांग करने की भी योजना बनाई है।

### टीसीएस ने पोलैंड में किया परिचालन का विस्तार

**नई दिल्ली।** टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने वारसॉ में एक नया डिलीवरी केंद्र खोलकर पोलैंड में परिचालन का विस्तार करने की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी को उम्मीद है कि एक साल के भीतर इस क्षेत्र में उसके कर्मचारियों की संख्या दोगुनी होकर 1,200 से अधिक हो जाएगी। टीसीएस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, नया डिलीवरी केंद्र विभिन्न उद्योगों तथा प्रौद्योगिकियों में टीसीएस की क्षमताओं को प्रदर्शित करता है। कंपनी सूचना के अनुसार, इस नए डिलीवरी केंद्र के साथ टीसीएस को उम्मीद है कि एक साल में उसका कार्यबल दोगुना होकर 1,200 से अधिक हो जाएगा। इससे क्षेत्र में उसके विकास को बढ़ावा मिलेगा। पोलैंड में भारतीय राजदूत नगमा मलिक, टीसीएस के यूरोप प्रमुख सप्तगिरि चपालपल्ली और पूर्वी यूरोप में टीसीएस के महाप्रबंधक प्रबल दत्ता ने केंद्र का उद्घाटन किया।

*सेवा प्रदाताओं पर लगाए जाने वाले शुल्क में भी बड़ी कटौती*

# जीईएम पोर्टल पर विक्रेताओं के लेनदेन शुल्क में बड़ी कटौती

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सार्वजनिक खरीद के ऑनलाइन मंच 'जीईएम' ने अपने पोर्टल पर विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं पर लगाए जाने वाले लेनदेन शुल्क में बड़ी कटौती कर दी है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

जीईएम के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजीत बी चव्हाण ने यहां संवाददाताओं से कहा कि लेनदेन शुल्क में कटौती का यह "साहसिक" कदम केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों की पहल का हिस्सा है। चव्हाण ने कहा, "कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने और अधिक समावेशी अर्थव्यवस्था बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता के साथ तालमेल बिठाते हुए जीईएम ने हाल ही में अपने मंच पर लेनदेन करने वाले विक्रेताओं, सेवा प्रदाताओं पर लगाए जाने वाले लेनदेन शुल्क में उल्लेखनीय कटौती की घोषणा की है।

### नई राजस्व नीति प्रभावी

जीईएम ने नौ अगस्त से पोर्टल की नई राजस्व नीति को प्रभावी कर दिया है। इस नीति के अनुसार, 10 लाख रुपये तक के सभी ऑर्डर पर अब शून्य लेनदेन शुल्क लगेगा, जबकि पहले इसकी सीमा पांच लाख रुपये थी। चव्हाण ने कहा, /"10 लाख रुपये से 10 करोड़ रुपये तक के ऑर्डर पर कुल ऑर्डर मूल्य का 0.30 प्रतिशत लेनदेन शुल्क लगाया जाएगा, जबकि पहले यह शुल्क 0.45 प्रतिशत था।

### एलआईसी एमएफ ने विनिर्माण केंद्रित एनएफओ किया पेश

**मुंबई।** एलआईसी म्यूचुअल फंड ने शुक्रवार को एक नया 'मैन्युफैक्चरिंग फंड' पेश किया, जो विनिर्माण क्षेत्र पर आधारित एक ओपन-एंडेड इक्विटी योजना है। कंपनी ने कहा कि नई फंड पेशकश (एनएफओ) को चार अक्टूबर तक खरीदा जा सकेगा जबकि इस योजना के तहत यूनिट का आवंटन 11 अक्टूबर को किया जाएगा। इस योजना को निफ्टी इंडिया विनिर्माण सूचकांक के मानक पर रखा जाएगा। एलआईसी म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी आर. के. झा ने कहा, '' भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, तेजी से होते शहरीकरण, मध्यम वर्ग की बढ़ती आबादी, निर्यात प्रोत्साहन व पीएलआई योजना और 'मेक-इन-इंडिया' जैसी नीतिगत पहलें विनिर्मित वस्तुओं की मांग को बढ़ा रही हैं।'' कंपनी ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र के दायरे में आने वाली कंपनियों का एक विविध खंड प्रदान करना है, जिसमें वाहन, दवा, रसायन, भारी इंजीनियरिंग उत्पाद, धातु, जहाज निर्माण तथा पेट्रोलियम उत्पाद शामिल हैं।

# एक्सिस कैपिटल सेबी के निषेधात्मक आदेश पर कानूनी उपाय तलाशेगी

**नई दिल्ली।** एक्सिस कैपिटल ने शुक्रवार को कहा कि वह बाजार नियामक सेबी के उस आदेश के खिलाफ कानूनी विकल्प तलाश रही है, जिसमें कंपनी को कर्ज खंड के लिए मर्चेंट बैंकर के रूप में नया काम लेने से रोक दिया गया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सेबी ने उस पर कोई अन्य प्रतिबंध नहीं लगाया है और वह इक्विटी पूंजी बाजार, बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट्स), रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट), विलय एवं अधिग्रहण, निजी इक्विटी एवं संस्थागत इक्विटी खंड में अन्य सभी व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन जारी रखेगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बृहस्पतिवार को अपने एक अंतरिम आदेश में एक्सिस कैपिटल को कर्ज खंड में प्रतिभूतियों के किसी भी निर्गम या बिक्री प्रस्ताव के लिए मर्चेंट बैंकर, अरेंजर या अंडरराइटर की हैसियत से कोई भी नया काम करने से रोक दिया। यह प्रतिबंध अगले आदेश तक लागू रहेगा।

## देश की सबसे बड़ी पावर जनरेशन कंपनी है एनटीपीसी

# एनपीटीसी ग्रीन एनर्जी लेकर आ रही धमाकेदार आईपीओ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आईपीओ में निवेश करने वाले निवेशकों की तो लॉटरी निकल गई। लेकिन जिन निवेशकों को इन दोनों आईपीओ में शेयर अलॉट नहीं हुए उन्हें साल 2024 के सबसे धमाकेदार आईपीओ में आवेदन करने का मौका मिलने जा रहा है जो इसी फेस्टिव सीजन में दस्तक दे सकता है। देश की सबसे बड़ी पावर जेनरेशन कंपनी एनटीपीसी की ग्रीन एनर्जी से जुड़ी सब्सिडियरी कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के आईपीओ की। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आईपीओ जल्द आने वाला है और कंपनी ने शेयर बाजार के रेगुलेटर सेबी के पास ड्रॉफ्ट पेपर दाखिल कर आईपीओ लाने की तैयारी की शुरुआत कर दी है।

- कंपनी आईपीओ से 10,000 करोड़ रुपए जुटाएगी

### ये हैं आईपीओ के बैंकर्स

*आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज, एचडीएफसी बैंक, आईआईएफएल सिक्योरिटीज और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड आईपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर्स हैं और केफिन टेक्नोलॉजी आईपीओ की रजिस्टरार है।*

### आईपीओ पूरी तरह फ्रेश होगा

*एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड आईपीओ के जरिए कैपिटल मार्केट से 10,000 करोड़ रुपए जुटाएगी और इस आईपीओ में पूरी तरह फ्रेश इश्यू होगा यानि कंपनी नए शेयर्स जारी करेगी और प्रमोटर कंपनी आईपीओ में अपनी हिस्सेदारी नहीं बेचेगी। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयर का 10 रुपए प्रति शेयर फेस वैल्यू होगा।*

### 7500 करोड़ रुपए बकाया कर्ज चुकाएगी कंपनी

*एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने ड्रॉफ्ट पेपर में बताया कि 10,000 करोड़ रुपए जो आईपीओ में जुटाया जाएगा उसमें से 7500 करोड़ रुपए के जरिए कंपनी बकाये कर्ज का भुगतान करेगी। वित्त वर्ष 2024-25 में 4000 करोड़ रुपए और 2025-26 में 3500 करोड़ रुपए बकाया कर्ज चुकाया जाएगा। बाकी बचे रकम को कंपनी जनरल कॉरपोरेट पर्पस और विस्तार पर खर्च करेगी।*

### आईपीओ में एनटीपीसी के शेयरहोल्डर्स के लिए रिजर्वेशन

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने आईपीओ के लिए दाखिल किए गए ड्रॉफ्ट पेपर में बताया कि आईपीओ में कुछ शेयर्स पात्र रखने वाले कर्मचारियों के लिए रिजर्व रखेगी और आईपीओ में एम्पलॉय रिजर्वेशन पोर्शन होगा। तो जिन निवेशकों के पास एनटीपीसी के शेयर हैं उनके लिए एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ में शेयरहोल्डर्स रिजर्वेशन पोर्शन होगा। यानि आईपीओ में कर्मचारियों और एनटीपीसी के शेयरधारकों के लिए कुछ शेयरों का कोटा रिजर्व रहेगा।

# असुरक्षित भोजन से प्रतिवर्ष 60 करोड़ लोग पड़ते हैं बीमार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम ग्रेब्रेयेसस ने शुक्रवार को असुरक्षित भोजन से निपटने में खाद्य नियामकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि इससे हर साल खाद्य जनित बीमारियों के 60 करोड़ मामले सामने आते हैं और 4,20,000 लोग अपनी जान गंवा देते हैं। दिल्ली में आयोजित दूसरे वैश्विक खाद्य विनियामक शिखर सम्मेलन में एक वीडियो संदेश में ग्रेब्रेयेसस ने कहा, '' जलवायु परिवर्तन, जनसंख्या वृद्धि, नई प्रौद्योगिकियों, वैश्वीकरण तथा औद्योगीकरण के कारण हमारी खाद्य प्रणालियां कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं।'' ग्रेब्रेयेसस ने बताया कि असुरक्षित भोजन से जान गंवाने वालों में 70 प्रतिशत पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे होते हैं। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा, '' इन वैश्विक चुनौतियों से निपटने में खाद्य नियामक समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका है।''उन्होंने समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया क्योंकि 30 लाख से अधिक लोग पौष्टिक आहार का खर्च वहन नहीं कर सकते।ग्रेब्रेयेसस ने इस बात पर भी जोर दिया कि सभी के लिए सुरक्षित भोजन सुनिश्चित करने के लिए सहयोग आवश्यक है, क्योंकि खाद्य प्रणालियां सीमाओं तथा महाद्वीपों से परे हैं।

RAJHIN/2014/56327
संजीवनी टुडे | डाक पंजीयन सं.जयपुर सिटी/003/2017-19



## सीएम ममता ने लिखा पीएम मोदी को चेतावनी भरा पत्र

# डीवीसी ने एकतरफा पानी छोड़ दिया, हम करार तोड़ देंगे

*पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने तत्काल केंद्रीय निधि जारी करने का अनुरोध किया*

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने शुक्रवार को दक्षिण बंगाल के कई जिलों में आई बाढ़ को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है।

ममता ने मोदी को लिख पत्र ने कहा है कि राज्य दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के साथ सभी संबंध तोड़ देगा क्योंकि उसने एकतरफा पानी छोड़ा है, जिसके कारण दक्षिण बंगाल के कई जिलों में बाढ़ आ गई है। डीवीसी के 5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ने की वजह से पूर्व बर्धमान, पश्चिम बर्धमान, बीरभूम, बांकुड़ा, हावड़ा, हुगली, पूर्व मेदिनीपुर और पश्चिम मेदिनीपुर विनाशकारी बाढ़ का सामना कर रहे हैं। उन्होंने बाढ़ से हुई व्यापक तबाही से निपटने के लिए तत्काल केंद्रीय निधि जारी करने का अनुरोध किया।

5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ने से बर्धमान, पश्चिम बर्धमान, बीरभूम, बांकुड़ा, हावड़ा, हुगली, पूर्व मेदिनीपुर और पश्चिम मेदिनीपुर विनाशकारी बाढ़ का सामना कर रहे

**हम बड़ी बाढ़ का सामना कर रहे**

ममता ने लिखा कि राज्य इस वक्त लोअर दामोदर और आसपास के इलाकों में 2009 के बाद सबसे बड़ी बाढ़ का सामना कर रहा है। मैं आपसे आग्रह करती हूं कि आप इस मामले पर गंभीरता से विचार करें और संबंधित मंत्रालयों को इन मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में संबोधित करने का निर्देश दें। जिसमें सबसे अधिक पीड़ित लोगों के हित में व्यापक बाढ़ प्रबंधन कार्य करने के लिए पर्याप्त केंद्रीय निधियों की मंजूरी शामिल है। मैं इसे मानव निर्मित बाढ़ कहने के लिए मजबूर हूं, यह एक ऐसी स्थिति है जो पूरी तरह से अनदेखी की वजह से उपजी है।

## ममता के बयान पर भड़के सुवेंदु , सुनाई खरी-खरी

### ... तो कई जिले अंधेरे में डूब जाएंगे

इस मामले पर अब बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने ममता पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर उन्होंने डीवीसी से संबंध तोड़ लिए तो दक्षिणी बंगाल के कई जिले अंधेरे में डूब जाएंगे। सुवेंदु ने सवाल उठाया कि क्या बनर्जी खुद को प्रधानमंत्री के समकक्ष मानती हैं, उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका बयान देश की संघीय भावना को कमजोर करता है। क्या वे इस तरह की टिप्पणियों के परिणामों से पूरी तरह वाकिफ हैं या फिर केवल जनता को सांत्वना देने के लिए ऐसा कर रही हैं? उन्होंने कहा कि अगर ममता डीवीसी से संबंध तोड़ती हैं, तो 8 जिलों की बिजली चली जाएगी।

## ममता सरकार के मंत्री के बोल...

### कोलकाता के प्रदर्शन में महिलाओं ने पी थी शराब

पश्चिम बंगाल सरकार में पशु संसाधन विकास मंत्रीमंत्री और टीएमसी के नेता स्वप्न देबनाथ ने यह कहकर नया विवाद छेड़ दिया कि परिजनों को देखना चाहिए कि 'रिक्लेम द नाइट' आंदोलन के दौरान उनकी बेटियां क्या कर रही हैं? देबनाथ ने आंदोलन के दौरान एक प्रदर्शनकारी के पुरुषों के साथ शराब पीने की कथित घटना का हवाला देते हुए यह बयान दिया। मंत्री ने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है।

## बंगाल में सरकारी मेडिकल कॉलेज के 40 छात्र सस्पेंड

बंगाल के कल्याणी स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज ऑफ मेडिसिन एवं जेएनएम अस्पताल के 40 छात्रों को निलंबित कर दिया गया। इन छात्रों पर अन्य छात्रों को धमकाने और परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप था। छात्रों को आगे की जांच तक कम से कम छह महीने के लिए छात्रावास, अस्पताल और कॉलेज परिसर में जाने से रोक दिया गया है। उन्हें छात्रसंघ चुनाव लड़ने से भी अनिश्चित काल के लिए रोका गया है। हालांकि उन्हें अपनी परीक्षाओं के लिए अंदर जाने की अनुमति दी जाएगी। निलंबित छात्रों को कथित तौर पर एंटी-रैगिंग कमेटी, आंतरिक शिकायत समिति या विशेष जांच समिति की जांच का सामना करना पड़ेगा।

## वर्धा में पीएम मोदी ने कहा- कांग्रेस में नफरत का भूत घुसा

# कांग्रेस में देशभक्ति की आत्मा खत्म, उसे टुकड़े गैंग के साथ अर्बन नक्सली चला रहे

*कांग्रेस ने विदेश में 'भारत विरोधी एजेंडे' को हवा दी, देश का अपमान किया*

एजेंसी ▶▶ वर्धा

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पार्टी को टुकड़े-टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सली चला रहे हैं। महाराष्ट्र के वर्धा में पीएम विश्वकर्मा योजना के एक साल पूरे होने पर जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज आप जिस कांग्रेस को देख रहे हैं, वह वह पार्टी नहीं है, जिससे महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्ति जुड़े थे।

कांग्रेस में नफरत का भूत घुस गया है। कांग्रेस में देशभक्ति की आत्मा ने दम तोड़ दिया है। पीएम मोदी ने कांग्रेस नेताओं के विदेश में दिए गए भाषणों में 'भारत विरोधी एजेंडे' की भी बात की, लेकिन उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम नहीं लिया, जिन्हें अमेरिका में आरक्षण प्रणाली को खत्म करने के अपने बयान के लिए सत्तारूढ़ दल की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

### आज 'पीएम विश्वकर्मा योजना' की सफलता का उत्सव मना रहे

आरक्षण पर कांग्रेस को फटकारा

पीएम मोदी ने कहा कि आज वर्धा की पवित्र धरती पर हम 'पीएम विश्वकर्मा योजना' की सफलता का उत्सव मना रहे हैं। आज ये दिन इसलिए भी खास है, क्योंकि 1932 में आज ही के दिन महात्मा गांधी जी ने अस्पृश्यता के खिलाफ अभियान शुरू किया था। विश्वकर्मा योजना के जरिए हमने श्रम से समृद्धि, कौशल से बेहतर कल का जो संकल्प लिया है।

### अमरावती में 'पीएम मित्र पार्क' की आधारशिला रखी

*उन्होंने कहा कि आज अमरावती में 'पीएम मित्र पार्क' की आधारशिला भी रखी गई है। आज का भारत अपनी टेक्सटाइल इंडस्ट्री को वैश्विक बाजार में टॉप पर ले जाने के लिए काम कर रहा है। देश का लक्ष्य है - भारत की टेक्सटाइल सेक्टर के हजारों वर्ष पुराने गौरव को पुनर्स्थापित करना। अमरावती का 'पीएम मित्र पार्क' इसी दिशा में एक और बड़ा कदम है।*

### विश्वकर्मा योजना कौशल को विकसित करेगी

*पीएम मोदी ने कहा कि विश्वकर्मा योजना केवल सरकारी प्रोग्राम भर नहीं है। ये योजना भारत के हजारों वर्ष पुराने कौशल को विकसित भारत के लिए इस्तेमाल करने का एक रोडमैप है। विश्वकर्मा योजना की मूल भावना है- सम्मान, सामर्थ्य और समृद्धि! यानी पारंपरिक हुनर का सम्मान, कारीगरों का सशक्तिकरण और विश्वकर्मा बंधुओं के जीवन में समृद्धि! ये हमारा लक्ष्य है। विश्वकर्मा योजना की एक और विशेषता है। जिस बड़े पैमाने पर इस योजना के लिए अलग अलग विभाग एकजुट हुए हैं, ये भी अभूतपूर्व है।*

### महाराष्ट्र में ही 60 हजार लोगों को प्रशिक्षण दिया गया

*उन्होंने कहा कि देश के 700 से ज्यादा जिले, 2.5 लाख से ज्यादा ग्राम पंचायत, 5 हजार शहरी स्थानीय निकाय मिलकर इस अभियान को गति दे रहे हैं। एक साल में ही 18 अलग-अलग पेशों के 20 लाख से ज्यादा लोगों को इस योजना से जोड़ा गया। सिर्फ साल भर में ही 8 लाख से ज्यादा शिल्पकारों और कारीगरों को स्किल ट्रेनिंग मिल चुकी है। अकेले महाराष्ट्र में ही 60 हजार से ज्यादा लोगों को प्रशिक्षण मिला है। अब तक 6.5 लाख से ज्यादा विश्वकर्मा बंधुओं को आधुनिक उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं।*

## एससी, एसटी और ओबीसी को कांग्रेस ने कभी नहीं बढ़ने दिया

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके दोस्तों ने एससी, एसटी और ओबीसी को जान-बूझकर आगे नहीं बढ़ने दिया। हमने सरकारी सिस्टम से कांग्रेस की इस दलित और पिछड़ा विरोधी सोच को खत्म किया है। पिछले 1 साल के आंकड़े बताते हैं कि आज विश्वकर्मा योजना का सबसे ज्यादा लाभ एससी, एसटी और ओबीसी समाज उठा रहा है।

### फार्म टू फाइबर, फाइबर टू फैब्रिक...

प्रधानमंत्री ने कहा कि कौशल विकास अभियान के तहत भी देश के करोड़ों नौजवानों की आज की जरूरतों के हिसाब से स्किल ट्रेनिंग हुई है। हम देश भर में 7 पीएम मित्र पार्क स्थापित कर रहे हैं। हमारा विजन है- फार्म टू फाइबर, फाइबर टू फैब्रिक, फैब्रिक टू फैशन और फैशन टू फॉरेन ।

### गणेश पूजन में गया तो कांग्रेस का तुष्टिकरण का भूत जाग उठा

पीएम मोदी ने कहा कि देश का सबसे भ्रष्ट परिवार कांग्रेस का शाही परिवार है। जिस पार्टी में हमारी आस्था और संस्कृति का जरा सा भी सम्मान होगा, वो पार्टी कभी गणपति पूजा का विरोध नहीं कर सकती, लेकिन आज की कांग्रेस को गणपति पूजा से भी नफरत है। मैं गणेश पूजन कार्यक्रम में चला गया, तो कांग्रेस का तुष्टिकरण का भूत जाग उठा। कांग्रेस गणपति पूजा का विरोध करने लगी।

## साहिबगंज में राज्य सरकार पर बरसे शाह

# सोरेन सरकार सबसे भ्रष्ट, यहां आवासों से निकल रहे अरबों रु.

एजेंसी ▶▶ साहिबगंज

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने झारखंड के साहिबगंज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार और सीएम हेमंत सोरेन पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने झारखंड सरकार को देश में सबसे भ्रष्ट सरकार बताया।

उन्होंने कहा कि आज झारखंड भाजपा अपनी परिवर्तन यात्रा शुरू कर रही है। यह यात्रा झारखंड के गांव-गांव तक जाएगी और बदलाव का संदेश देगी। हमें इस भ्रष्ट सरकार को हटाना है। शाह ने कहा कि क्या आप लोगों ने कभी 350 करोड़ रुपए देखे हैं? कांग्रेस नेता धीरज साहू के घर से 350 करोड़ रुपए बरामद किए गए थे। यह संथाल के गरीब युवाओं का पैसा था। झारखंड आदिवासियों की भूमि है और इस भूमि को नरेंद्र मोदी और भाजपा ही घुसपैठियों से बचा सकती है।

### घुसपैठिए जेएमएम, कांग्रेस और राजद के वोट बैंक

विपक्षी गठबंधन इंडिया पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि घुसपैठिए लालू यादव की पार्टी, जेएमएम और राहुल बाबा की कांग्रेस के वोट बैंक हैं। वे अपने वोट बैंक के डर से घुसपैठ नहीं रोकते, हमारे राज्य में, संथाल में, घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है और वे आदिवासियों की संख्या से अधिक हैं। सोरेन ने हर साल 5 लाख नौकरियां देने का वादा किया था, क्या दिया?

### सिद्धू-कान्हू को किया नमन

इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने संथाल में ब्रिटिश शासन के खिलाफ आवाज उठाने वाले सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। सिद्धू-कान्हू ने ही संथाल विद्रोह का नेतृत्व किया था।

### एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकालेंगे

शाह ने कहा कि यह परिवर्तन यात्रा झारखंड में गांव-गांव और घर-घर तक जाएगी। उन्होंने घुसपैठियों पर हमला बोलते हुए कहा कि आप राज्य में भाजपा की सरकार बनाएं. घुसपैठियों को उल्टा लटकाकर सीधा काम करने के लिए बाध्य कर देंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड की सरकार को बदल दो। वे वादा करते हैं कि एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर झारखंड से राज्य से बाहर निकाल देंगे।

## खबर संक्षेप

### फैक्ट चेक यूनिट को असंवैधानिक बताया

**मुंबई।** बॉम्बे हाईकोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन नियम 2023 को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है। इसमें केंद्र को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कामकाज के बारे में 'फर्जी और भ्रामक' सूचनाएं की पहचान करने और उन्हें खारिज करने के लिए अनुमति दी गई थी।

### सीबीआई ने 6 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दिया

**नई दिल्ली।** केंद्रीय जांच ब्यूरो ने नीट यूजी 2024 प्रश्नपत्र चोरी मामले में 6आरोपियों के खिलाफ पटना में सीबीआई मामलों की विशेष अदालत के समक्ष दूसरा आरोपपत्र दाखिल किया है। ओएसिस स्कूल के प्राचार्य, उप-प्राचार्य पर ठोस आरोप लगाए गए हैं।

### आरजेडी नेता बीमा भारती के घर की कुर्की

**पूर्णिया।** बिहार की पूर्व मंत्री और आरजेडी नेता बीमा भारती के भिट्ठा स्थित आवास पर शुक्रवार को कुर्की जब्ती की कार्रवाई की गई। इस दौरान भारी संख्या में कई थानों की पुलिस मौजूद रही। कोर्ट के आदेश के बाद यह कुर्की की गई है। भारती का बयान नहीं आया है।

## परिवार के लिए टिकट मांगने वालों पर भड़के गडकरी

पहले आप अपनी काबिलियत तो दिखाएं

# अगर लोगों ने ठान लिया तो ये लोग 1 मिनट में सीधे हो जाएंगे

एजेंसी ▶▶ नागपुर

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भाई-भतीजावाद, परिवारवाद और जातिवाद की राजनीति पर तीखा हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री ने नागपुर में श्री विश्व व्याख्यान माला 2024 कार्यक्रम संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में कुछ लोग ऐसे बोलते हैं कि पहले मेरे बेटे का कल्याण करो, उसे टिकट दो।

कुछ भी होगा तो चलेगा मेरे बेटे को टिकट दो, मेरी पत्नी को टिकट दो। जिस दिन लोगों ने ठान लिया कि इसे वोट नहीं करना तो, 1 मिनट में ये सीधे हो जाएंगे। अपनी काबिलियत साबित करनी चाहिए। गडकरी नागपुर में श्री विश्व व्याख्यान माला 2024 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

### हमारी संस्कृति ने विश्व का कल्याण बताया

*गडकरी ने कहा कि हमारी संस्कृति में कहा गया है वसुदेव कुटुंबकम, विश्व का कल्याण हो। हमारी संस्कृति में यह नहीं कहा गया है कि पहले मेरा कल्याण हो, पहले मेरे बेटे का कल्याण हो, मेरे दोस्तों का कल्याण हो। राजनीति में कुछ लोग ऐसा बोलते हैं कि पहले मेरे बेटे का कल्याण हो।*

### जात की बात की तो बाहर कर दूंगा

*गडकरी ने कहा कि मैं 45 सालों से राजनीति में हूं। मैं पोस्टर भी बैनर भी नहीं लगवाता। लोगों को भी कहा है वोट देना तो वोट दीजिए, नहीं देना तो मत दीजिए। दोगे तो भी काम तुम्हारा करूंगा, नहीं दोगे तो भी तुम्हारा काम करूंगा। मैंने पब्लिकली कहा है कि जो करेगा जात की बात करेगा उसको बाहर का रास्ता दिखा दूंगा।*

## राहुल के 'बयान' पर भाजपा ने फूंका पुतला

**नई दिल्ली।** दिल्ली भाजपा ओबीसी मोर्चा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के दौरान आरक्षण पर कथित टिप्पणी के खिलाफ शुक्रवार को कांग्रेस मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। विरोध मार्च का नेतृत्व वीरेंद्र सचदेवा, रामवीर सिंह बिधूड़ी और कमलजीत सहरावत ने किया। उन्होंने गांधी का पुतला भी जलाया और उनके खिलाफ नारे लगाए।

## एनआईएसए के शताब्दी समारोह में राष्ट्रपति

**रांची।** रांची में शुक्रवार को आईसीएआर-राष्ट्रीय माध्यमिक कृषि संस्थान (एनआईएसए) के शताब्दी समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार। इस दौरान मुर्मू ने मधुमक्खी पालन समेत कृषि उत्पादों की प्रगति पर जोर दिया।

## सीएम पद से इस्तीफे के बाद केजरीवाल का पहला रोड शो

# आप के समर्थन बिना हरियाणा में नहीं बनेगी सरकार

एजेंसी ▶▶ यमुनानगर

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने यमुनानगर के जगाधरी में जनसभा का आयोजन किया। उन्होंने जगाधरी से पार्टी प्रत्याशी आदर्श पाल के प्रचार किया। केजरीवाल के इस रोड शो को लेकर जगह-जगह सुरक्षा के पुख्ता इंतजामात किए गए।

वे दोपहर करीब साढ़े तीन बजे जगाधरी पहुंचे, जिसके बाद उनका रोड शो शुरू हुआ। इस बीच सड़कों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। आम आदमी पार्टी सुप्रीमो ने अपने वाहन की सनरूफ से भीड़ का अभिवादन किया। इस दौरान हरियाणा इकाई के प्रमुख सुशील गुप्ता रोड शो में साथ थे।

केजरीवाल ने यमुनानगर के जगाधरी में जनसभा को संबोधित किया

**दिल्ली जैसा काम हरियाणा में भी करके दिखाएंगे**

केजरीवाल ने कहा कि हरियाणा बदलाव की मांग कर रहा है। आप के समर्थन के बिना हरियाणा में सरकार नहीं बनेगी। उमैंने हिसाब लगाया है कि आप कितनी सीटें जीतने जा रही है और मुझे पता है कि आप के समर्थन के बिना सरकार नहीं बनेगी। केजरीवाल ने कहा कि जैसे हमने दिल्ली के अंदर काम किया है। वैसे ही हम हरियाणा में करेंगे।

### ईमानदार हूं तभी वोट देना

*रोड शो के दौरान केजरीवाल ने जनता को संबोधित कर कहा कि हरियाणा में 'आप' के बिना सरकार नहीं बन सकती। मैं चाहता तो जेल से छूटने के बाद दिल्ली का मुख्यमंत्री बना रहता। आपको यदि लगता है कि मैं ईमानदार हूं, तो ही मुझे वोट देना। मैं दिल्ली का सीएम भी तभी बनूंगा जब मुझे वह दोबारा जिता कर भेजेंगे।*

### आप ने केजरीवाल के लिए सरकारी आवास की मांग की

*केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद अब केजरीवाल को सीएम आवास खाली करना है, लेकिन इसी बीच आपने केंद्र सरकार से केजरीवाल के लिए सरकारी आवास की मांग की है। आप नेता राघव चड्ढा ने चुनाव आयोग के नियम का हवाला दिया। चड्ढा ने कहा कि बिना किसी देरी के राष्ट्रीय पार्टी आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को सरकारी आवास मिले। उन्होंने बताया कि आप ने केंद्र सरकार अर्बन विभाग को पत्र लिखकर कानूनी हक मांगा है।*

## कोचिंग सेंटर हादसे पर बोला शीर्ष कोर्ट

# 4 हफ्ते में बताएं क्या बदलाव किए? दिल्ली समेत तीन राज्य जवाब दें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में आईएएस कोचिंग के बेसमेंट में 3 छात्रों की मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर शुक्रवार को सुनवाई की। अदालत ने मौत की जांच के लिए केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त उच्च स्तरीय समिति को निर्देश दिया कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए 4 सप्ताह के अंदर अंतरिम उपाय पेश करे।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सरकारों को निर्देश दिया कि वे ऐसी घटनाओं को फिर से होने से रोकने के लिए नीति, विधायी और प्रशासनिक बदलावों के बारे में अदालत को अवगत कराएं। पुराने राजेंद्र नगर जैसी घटना को रोकने के लिए पूरी राजधानी में एक समान पहल की जानी चाहिए।अगर जरूरत पड़ी तो हम पूरे देश में पुराने राजेंद्र नगर जैसी घटनाओं को रोकने के लिए निर्देश देंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)